दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

जिंदगी एक अनजान किताब जैसी है। अगले पन्ने पर क्या लिखा है किसी को पता नहीं।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 19 मई, 2025 वर्ष 23, अंक 124, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हर गरीब को उसके घर के पास ही उचित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो : अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मेहसाणा में नर्सिंग कॉलेज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया

एजेंसी (हि.स.)
मेहसाणा

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को मेहसाणा में श्री के.के. पटेल और श्रीमती मधुबेन के.पटेल नर्सिंग कॉलेज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि श्री के.के. पटेल और श्रीमती मधुबेन के. पटेल नर्सिंग कॉलेज निरंतर 65 वर्षों से नर्सिंग शिक्षा में अहम भूमिका निभा रहा है। लेक्चर रूम, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कार्यालय जैसी सुविधाओं से युक्त यह भवन क्षेत्र के युवाओं को सहज व सुलभ चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराएगा।

अमित शाह ने कहा कि देश में पहले कमजोर रही स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आयुष्मान भारत योजना लेकर आए। इस योजना के लागू होने के बाद अब देश में हर गरीब नागरिक के पास आयुष्मान कार्ड है, जिसके जरिए वह 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज करा सकता है। उन्होंने कहा कि अब हर अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना के मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य के अस्पतालों से अपने अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना के मानकों के अनुरूप बनाने की अपील की जिससे आम जन और अस्पताल प्रबंधन दोनों को लाभ हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर गरीब को उसके घर के पास ही उचित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 से 2025 तक देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने का काम किया है। आज 60 लाख लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है। भारत में 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक के लिए 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की गई है

और इसके लिए लाभार्थी की इनकम की कोई तय सीमा नहीं है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश का स्वास्थ्य बजट 37 हजार करोड़ रुपए का था, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इसे बढ़ाकर वर्ष 2025-26 में 1 लाख 37 हजार करोड़ रुपए कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के बजट में वृद्धि करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेशनल डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम खड़ा किया, आयुष्मान भारत योजना शुरू की और आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए। शाह ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में सिर्फ सात एम्स थे, आज 23 एम्स हैं। वर्ष 2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 780 हो चुके हैं। पहले एमबीबीएस की 51 हजार सीटें थीं, आज इनकी संख्या बढ़कर 1 लाख 18 हजार हो चुकी है। पहले पीजी/एमडी/एमएस की सीटें 31 हजार थीं, जो अब बढ़कर 74 हजार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के पूरे इकोसिस्टम के साथ टेली-मेडिसिन सुविधा बढ़ाई गई। प्रधानमंत्री ने जन औषधि योजना को प्रभावी बनाया, जिसके कारण पिछले 10 वर्ष में नागरिकों को 25 हजार करोड़ रुपए की सस्ती दवाई उपलब्ध कराई गई है। अमित शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत 730 बड़े पब्लिक हेल्थ इंस्टॉलेशन और तहसील स्तर के 3382 पब्लिक हेल्थ इंस्टॉलेशन बनाए गए हैं। सारी उपलब्धियों को समग्र रूप में देखें तो भारत के 130 करोड़ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा अभियान चलाया गया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज जिस नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन हुआ है, वह 3700 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है और इस संस्थान में बीएससी नर्सिंग सहित नर्सिंग संबंधी लगभग सारे पाठ्यक्रम शुरू हो चुके हैं। महिला छात्रावास का काम भी प्रगति पर है। कैंसर अस्पताल की स्थापना पर भी जल्द काम शुरू होने की संभावना है, जिससे आगामी दिनों में इस क्षेत्र के लोगों, विशेष रूप से गरीब नागरिकों को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि दान से शुरू हुए अस्पताल को चलाने और इसे अत्याधुनिक बनाने की जिम्मेदारी समाज की है।

महेंद्रगढ़ को विकास के मामले में आगे बढ़ाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा: नायब सैनी

महेंद्रगढ़वासियों को मिली करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज महेंद्रगढ़वासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये लागत की 30 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 81 करोड़ 49 लाख 30 हजार रुपये की लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 71 करोड़ 38 लाख 62 हजार रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। महेंद्रगढ़ विधानसभा में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणाओं का पिटारा खोलते हुए कहा कि जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए पैसे जमा करवा रखे हैं, ऐसे 1450 नलकूप कनेक्शनों को अगले 3 महीने में जारी किया जाएगा। इसके अलावा, 2023 तक जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, वे भी जल्द पैसे जमा करवा दें, उनके कनेक्शन भी जल्द जारी कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने महेंद्रगढ़ विधानसभा में एक नई अनाज मंडी बनाने की भी घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि किसी भी गांव में जमीन उपलब्ध होने पर गौ-अभ्यारण्य बनाया जाएगा। साथ ही, गांव उस्मापुर, बारड़ा, खातौद या जड़वा में जमीन उपलब्ध करवाने पर पशु औषधालय और पशु चिकित्सालय बनाया जाएगा, इसके लिए उन्होंने 1 करोड़ 51 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, गांव डीगरोता के पशु औषधालय को 40 लाख रुपये की लागत से पशु चिकित्सालय में अपग्रेड किया जाएगा। साथ ही, वीएलडीए कॉलेज की फिजिबिलिटी चैक करवाकर इस कार्य को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव आकोदा में बिजली का सब-डिविजन स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, मकानों के ऊपर से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनों को हटाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने 3 करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि डालनवास गांव में 33 केवी तथा महेंद्रगढ़ शहर में 33 केवी सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। महेंद्रगढ़ विधानसभा में 56 कॉलोनियों में बिजली व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, महेंद्रगढ़ शहर में एलटी लाइनों की जगह एलटी केबल डाली जाएगी। महेंद्रगढ़ से नारनौल तक 33 हजार केवी की बंद पड़ी लाइन को हटाया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत खातोद में जमीन उपलब्ध करवाने पर प्राइमरी हेल्थ सेंटर बनाया जाएगा। 4 माइनरों निहालवास, जैरपुर, सीसोठ, खायरा के पुनर्निर्माण के लिए 6 करोड़ 60 लाख रुपये की घोषणा की।

2047 तक विकसित भारत बनाने में विकसित हरियाणा का होगा योगदान

सैनी ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एकजुट होकर काम करना है। हरियाणा को देश के विकास का इंजन बनाना है। उन्होंने लगातार तीसरी बार जनादेश देने के लिए हरियाणा की जनता आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए अपने संकल्प पत्र के संकल्पों में से हमारी सरकार ने 22 संकल्पों को पूरा कर भी दिया है और 90 संकल्पों पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प पत्र केवल घोषणा नहीं है, बल्कि जनता को दिया गया वचन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं, जो कहा है वो करेंगे, हमारी नीति नीयत और नेतृत्व तीनों स्पष्ट है। हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। हमारा लक्ष्य पूरे हरियाणा का संतुलित विकास करना है और इस संकल्प पर हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आान किया कि हम सब मिलकर हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएं और 2047 तक विकसित भारत बनाने में विकसित हरियाणा के रूप में अपना योगदान दें।

हैदराबाद की गुलजार हाउस इमारत में लगी आग, 17 लोगों की मौत

हादसे में दो परिवारों के लोग शामिल

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

हैदराबाद शहर स्थित चारमीनार इलाके में मिरचौक क्षेत्र के गुलजार हाउस में भीषण आग लग गई। घटना में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। मरने वालों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। दमकल की गाड़ियां इमारत में फंसे कुछ अन्य लोगों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेहतर इलाज के लिए पूरे प्रयास करेगी।

पुलिस के अनुसार आग चारमिनार इलाके में गुलजार हाउस के पास एक बिल्डिंग में रविवार को करीब सुबह 6 बजे लगी । घटना में झुलसने घटनास्थल पर ही आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि लोगों के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया। आग बिल्डिंग की पहली मंजिल पर लगी, जिसने बाद में विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि आशंका है कि इमारत में लगे एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। घटना स्थल पर केंद्र मंत्री किशन रेड्डी, राज्यमंत्री प्रभाकर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पहुंच गए। मौके पर फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। फायर ब्रिगेड के मुताबिक काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया गया है। मृतकों की पहचान अभिषेक मोदी, आरूषी जैन ,शीतल जैन, सुमित्रा जैन, प्रथम मोदी, राजेंद्र कुमार, हषार्ली गुप्ता, मुन्नीबाई, प्रियाणी और इराज के रूप में हुई है। अभी अन्य मृतकों के शवों की पहचान कराई जा रही है। गंभीर रूप से झुलसे लोगों को हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल, डीआरडीओ हॉस्पिटल और उस्मानिया हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसे के शिकार लोग ज्वेलर्स के जुड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान से संबंधित दो परिवारों के लोग हैं।

दमकल कर्मियों के मुताबिक अभी भी इस इमारत में चार परिवारों के दर्जनों लोग फंसे हैं। अब तक जिन लोगों को बाहर निकाला गया है, उनमें तीन बच्चों सहित 14 लोग शामिल है। यह सभी बुरी तरह झुलसे हुए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस इमारत में 30 से अधिक लोग रह रहे थे, इनमें ज्यादातर किराएदार थे।

पुलिस के मुताबिक इमारत में आग के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक रात में बहुत गर्मी थी और मकान में लगे सभी एसी चल रहे थे। इसकी वजह से मकान की वायरिंग गर्म हो गई। इसी दौरान वायरिंग में आग लग गई और इसमें से निकली चिंगारी ने देखते ही देखते भयानक रूप ले लिया।

संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए 17 सांसद और 2 समितियां चयनित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के 17 सांसदों और दो संसदीय समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना है। पुरस्कारों के लिए चयन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर की अध्यक्षता में बनी समिति ने किया है। साल 2010 में संसद रत्न पुरस्कार शुरू किए गए थे। इसका विचार पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने दिया था और उन्होंने मई 2010 में चेन्नई में आयोजित पहले समारोह का उद्घाटन किया था। पुरस्कार प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन और ई-मैगजीन प्रेसेन्स की

पहल पर दिए जाते हैं। हंसराज गंगाराम अहीर इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता थे। प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यह पुरस्कार समारोह जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित होगा। इस बार चार सांसदों को विशेष पुरस्कार मिलेंगे, जिन्हें संसदीय लोकतंत्र में निरंतर और उत्कृष्ट योगदान के लिए चुना गया है। इनमें विजेताओं में स्मिता वाघ, अरविंद सावंत, नरेश म्हस्के, वर्षा गायकवाड़ और मेधा कुलकर्णी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से प्रवीण पटेल और रवि किशन, झारखंड से निशिकांत दुबे और बिद्युत महतो, राजस्थान से पी.पी. चौधरी और मदन राठौर, तमिलनाडु से सी.एन. अन्नादुरई और असम से दिलीप सैकिया को भी सम्मानित किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कारों की शुरूआत 2010 में की गई थी। अब तक 125 पुरस्कार दिए जा चुके हैं। ये पुरस्कार सांसदों के बहस, प्रश्न और निजी विधेयकों की संख्या जैसे प्रदर्शन मानकों के आधार पर दिए जाते हैं। इस बार दो संसदीय स्थायी समितियाँ भी पुरस्कार पाएंगी वित्त पर स्थायी समिति (अध्यक्ष भरतृहरि महताब) और कृषि पर स्थायी समिति (अध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी)। भरतृहरि महताब (ओडिशा), एन.के. प्रेमचंद्रन (केरल), सुप्रिया सुले और श्रीरंग बारणे (दोनों महाराष्ट्र) शामिल हैं। महाराष्ट्र ने इस वर्ष सबसे ज्यादा सात पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इन

नड्डा ने किए आदि कैलाश के दर्शन, बोले-उत्तराखंड में अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आज दोपहर आदि कैलाश और पार्वती कुंड के दर्शन के बाद कैलाशवासी भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता विद्यमान है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने आदि कैलाश की आध्यात्मिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया है।

अपने दो दिवसीय प्रवास पर उत्तराखंड पहुंचे नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश के पवित्र क्षेत्र के भ्रमण के पश्चात, इस क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की आवाजाही में वृद्धि हुई है। इस बढ़ी हुई गतिविधि ने स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने न केवल आदि कैलाश की आध्यात्मिक महत्ता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया है, बल्कि इसने साहसिक और आध्यात्मिक पर्यटन के एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में इस क्षेत्र की पहचान को भी मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों में आदि कैलाश और इसके आसपास के क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों और भक्तों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है।

शिव दर्शन के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने पिथौरागढ़ जिले में स्थित ज्योलिंगकांग स्थित त्रिशूल के समीप मंदिर के दर्शन किए और यहां सेना के जवानों के साथ वार्ता कर उनका हौसला बढ़ाया।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने छोटे शहरों में कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी रोपड़ की सराहना की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने आईआईटी रोपड़ की सराहना की है, जो अन्य आईआईटी की तुलना में अपेक्षाकृत नया है तथा इसकी स्थापना छोटे शहरों में कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 2008 में की गई थी। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत के लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप अब टियर 2 और टियर 3 शहरों से हैं। आईआईटी रोपड़ द्वारा आयोजित और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित प्रगति संस्थापक फोरम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की स्टार्टअप क्रांति अब केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रह गई है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने दूरदर्शी संबोधन में इस मिथक को खारिज किया कि केवल आईटी उद्यम ही स्टार्टअप हो सकते हैं। उन्होंने पारंपरिक क्षेत्रों में परिवर्तन के माध्यम से उच्च क्षमता वाले कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी रोपड़ की सराहना की। उन्होंने कहा, यह बदलाव गहरी जड़ें जमाए हुए नवाचार का एक स्वस्थ संकेत है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से स्टैंडअप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया के आान के माध्यम से भारत भर में उद्यमिता को लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय दिया। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने स्टार्टअप्स की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ये स्टार्टअप्स भारतीय

अर्थव्यवस्था को ह्यपाँच सबसे कमजोरह्न देशों से निकालकर 2047 तक दुनिया की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने में सहायक होंगे। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत के 81वें स्थान से 39वें स्थान पर पहुंचने की तेज वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टार्टअप, कृषि-नवाचार और डीप टेक की भूमिका पर चर्चा की।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि आगामी अनुसंधान एनआरएफ (राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) के तहत संसाधन आवंटन का 70 प्रतिशत गैर-सरकारी क्षेत्रों से आएगा, जिससे सार्वजनिक-निजी तालमेल को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पर्पल रिवॉल्यूशन को जमीनी स्तर पर नवाचार की एक बानगी के रूप में प्रदर्शित किया - लैवेंडर की खेती जो जम्मू और कश्मीर के पहाड़ी शहरों में शुरू हुई थी, अब हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में फल-फूल रही है और इस क्षेत्र में 3,000 से अधिक स्टार्टअप लाभ कमा रहे हैं। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा, इनमें से 30 प्रतिशत उद्यमी स्नातक भी नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता - मुंबई में इत्र बनाने वाली कम्पनियों के साथ बाजार संबंधों के कारण ग्रामीण भारत एक उद्यम केंद्र में तब्दील हो रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक विस्तृत चयन प्रक्रिया के बाद निवेश श्रेणी में चुने गए स्टार्टअप को पुरस्कृत किया। ये स्टार्टअप थे- ब्लू कोकून डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड, रेजोवाटे कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, वावे टेक्नोलॉजीज, बायोफील्ड पावर प्राइवेट लिमिटेड, कर्मठ इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए क्षेत्रीय डीप-टेक नवाचार कार्यक्रम ह्यस्प्रिंटह्न झ हरियाणा और तेलंगाना संस्करण का भी शुभारंभ किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रगति रिपोर्ट का अनावरण किया, जो समावेशी नवाचार और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए एक रणनीतिक ब्लूप्रिंट है।

बौद्ध भिक्षु जामयांग ने साकार किया झुग्गी वालों का 'घर' का सपना

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

धर्मशाला के विभिन्न हिस्सों में झुग्गियों में रहकर अपना जीवन बसर कर रहे लोगों का जल्द ही अपने घर का सपना साकार होने जा रहा है। अपने घर का सपना करने में तिब्बती संस्था टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट मदद कर रही है। टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा केंद्र सरकार की समेकित आवास एवं स्लम विकास योजना के अंतर्गत धर्मशाला नगर निगम के सहयोग से चैतडू और सलांगड़ी क्षेत्रों के ऐसे दर्जनों गरीब लोगों को घर लेने में आर्थिक संबल एवं अन्य सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जो कई पीढ़ियों से इस दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे।

टोंगलेन चैरिटेबल ट्रस्ट के निदेशक भिक्षु जामयांग ने बताया कि उन्होंने संस्था की ओर से चिन्हित 29 झुग्गीवासियों में से 10 को अपने स्लम वैलफेयर प्रोग्राम के तहत 25-25 हजार रुपए के चेक दिए हैं। शेष 19 लोगों को भी जल्द ही यह राशि दी जाएगी। इससे पहले टोंगलेन की सहायता से 42 परिवार झुग्गी से निकल कर अपने घर में रह रहे हैं। टोंगलेन उन्हें गैस स्टोव एवं सिलेंडर, किचन के लिए आवश्यक बर्तन और बिस्तर उपहार में देता है।

डेढ़ लाख रुपए कीमत का मकान झुग्गी में रहने वाले लोगों को दिया जाता है। इसमें एक बेडरूम, एक लिविंग रूम, किचन और टॉयलेट सहित बिजली पानी की सुविधा होती है। केंद्र सरकार की यह योजना धर्मशाला नगर निगम बेहतरीन ढंग से लागू कर रहा है।

उधर टोंगलेन संस्था हर मकान के लिए 25 हजार रुपए दे रही है। झुग्गीवासी इसमें 25 हजार रुपए जोड़ कर मकान ले सकता है। शेष एक लाख रुपए जुटाने के लिए भिक्षु जामयांग बैंक से लोन दिलाने अथवा अन्य स्रोतों से प्रबंध के लिए प्रयास करते हैं। मकान के हकदार बने ज्यादातर लोगों को टोंगलेन संस्था के प्रयास से धर्मशाला नगर निगम में आउटसोर्स पर सफाई का काम मिला है। इससे वे बैंक की किश्त चुका सकते हैं।

भिक्षु जामयांग के अनुसार केंद्र सरकार की योजना को धर्मशाला नगर निगम बेहतरीन ढंग से लागू कर रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा मुश्किल दशकों से झुग्गी में रह रहे मराठी और राजस्थानी मूल के लोगों के दस्तावेज तैयार करना होता है। टोंगलेन की टीम ने लगातार कोशिश करके उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर कार्ड एवं अन्य कागज तैयार कराए ताकि उन्हें मकान मिल सके।

टोंगलेन की सहायता झुग्गीवासियों को सिर्फ घर दिलाने तक सीमित नहीं है। संस्था की टीम उन्हें गैस स्टोव और टॉयलेट उपयोग करने की जानकारी भी देती है। मकान मिलने के 6 महीने तक उनके लिए संस्था की हेल्पलाइन चालू रहती है ताकि कोई दिक्कत आने पर जरूरी रिपेयर या अन्य सहायता की जा सके।

वहीं टोंगलेन की सहायता से मकान मिलने के बाद बुजुर्ग सुलीचंद ने भावुक होकर कहा, मैं 40 साल से झुग्गी में रह रहा था। कभी सोचा भी नहीं था कि मैं अपने घर में रहूंगा। भला हो टोंगलेन का जिनकी मदद से आज यह दिन देखने को मिला है। मेरे जैसे बहुत से लोगों और उनके बच्चों को नई जिंदगी मिली है।

जन्म से झुग्गियों में रह रहीं नीलम, कल्पना और लताशा तो भिक्षु जामयांग से 25-25 हजार रुपए के चेक लेते हुए फूट-फूट कर रो पड़ी। उन्होंने कहा, हमें विश्वास ही नहीं हो रहा कि अब हम जल्द ही अपने घर में शिफ्ट हो जाएंगी। अब हम बच्चों की परवरिश और पढ़ाई ठीक ढंग से करा सकेंगे। उन्होंने जामयांग भिक्षु का शुक्रिया अदा किया है।

कार में मिला व्यक्ति का शव, नशे से मौत की आशंका

शिमला। राजधानी शिमला में नशे की चपेट में युवाओं की मौत के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला बालूगंज थाना क्षेत्र का है। यहां एक 38 वर्षीय युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। युवक का शव एक कार में मिला और आशंका जताई जा रही है कि उसने किसी नशीले पदार्थ का सेवन किया था। शनिवार की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि बालूगंज थाना अंतर्गत कुमार हाउस के पास (एचपी 01ए-9543) नंबर की एक कार सड़क किनारे खड़ी है और उसमें एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि कार की चालक सीट पीछे की ओर झुकी हुई थी और युवक मृत अवस्था में था। उसकी पहचान रोशन लाल (38) पुत्र लायकराम निवासी पीपलूघाट जिला सोलन के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि युवक की मौत नशीला पदार्थ निगलने से हुई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मौत किस कारण हुई। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई अमल में लाई है। बता दें कि शिमला में नशे विशेषकर चिट्टे की ओवरडोज से मौत के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। शिमला पुलिस की नशा तस्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है और आये दिन चिट्टे के साथ तस्करों को दबोच जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर शोपियां में बीजेपी ने निकाली भव्य तिरंगा रैली

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शोपियां इकाई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया। यह आयोजन देशभक्ति और एकता का प्रतीक बनकर उभरा जिसमें पार्टी कार्यकताओं, स्थानीय नागरिकों और समुदाय के नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का नेतृत्व वक्फ शोपियां के कार्यकारी अधिकारी जावेद अहमद कादरी, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ, जैनपोरा विधानसभा अध्यक्ष रईस अहमद डार, शोपियां विधानसभा अध्यक्ष जहांगीर अहमद शेख समेत अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने किया। नेताओं की मौजूदगी ने आयोजन को नई ऊर्जा और गंभीरता प्रदान की। रैली बाटापोरा चौक से शुरू होकर गोल चौक तक निकाली गई जहां प्रतिभागियों ने तिरंगा लहराते हुए और सैनिकों की बहादुरी तथा राष्ट्रीय एकता के नारे लगाते हुए मार्च किया। पूरे माहौल में देशभक्ति की भावना चरम पर रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्फ शोपियां के कार्यकारी अधिकारी जावेद अहमद कादरी ने ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन देश की संप्रभुता की रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ सशक्त संदेश देने में सफल रहा है। उन्होंने सेना की भूमिका की सराहना की और शांति बहाली में उनके योगदान को ऐतिहासिक बताया। शोपियां की यह तिरंगा रैली जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में आयोजित हो रही उन रैलियों की श्रृंखला का हिस्सा है जो ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना की सफलताओं को समर्पित हैं। यह आयोजन स्थानीय जनता के देश की रक्षा में लगे बलों के प्रति अटूट समर्थन और राष्ट्रीय एकता व अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारतीय जनता पार्टी ने निकाली तिरंगा रैली

जम्मू। रियासी में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की तरफ से तिरंगा रैली निकाली गई। स्थानीय जनाना पार्क से तिरंगा रैली शुरू हुई और मुस्लिम मोहल्ला,चौक चबूतरा,मुख्य बाजार से होते हुए बस अड्डे पर पहुंची। तिरंगा रैली के दौरान उस में शामिल भाजपा कार्यकार्ताओं ने भारत माता की जय के जयघोष लगाए। इस के साथ ही बंदे मातरम के नारे भी लगाए गए। बस अड्डे पर कुछ वक्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर की गई कारवाई पर भारतीय सेना की सराहना की। मौके पर भारतीय सेना जिंदाबाद के भी नारे लगे। पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ की गई कारवाई को जारी रख अन्य ठिकाने पर भी हमले कर उन्हें तबाह करने को कहा गया। रैली में रियासी के अलावा कटरा, पौनी, अरनास, माहौर, भमाग से आए हुए भाजपा कार्यकताओं ने हिस्सा लिया।

डल झील से पहलगाम तक रोड शो ने दिया अमन और स्वागत का संदेश

जम्मू। स्वर्ग में आपका स्वागत है जैसे बैनरों और लहराते झंडों के साथ, करीब 300 वाहनों का एक काफिला रविवार सुबह डल झील से पहलगाम के लिए रवाना हुआ, उद्देश्य था उम्मीद और शांति का संदेश। यह रोड शो पर्यटन समुदाय द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें व्यापारियों, होटल व्यवसायियों, ट्रांसपोर्टरों और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, के बाद यह आयोजन पर्यटन उद्योग के पुनरुत्थान का प्रतीक बना। दूर ऑपरेटर आमिर मजीद ने कहा कि उस रात सब कुछ ठहर गया था बुकिंग रद्द, होटल खाली, शिकारा चलना बंद। लेकिन आज हम कह रहे हैं कश्मीर सुरक्षित है और कश्मीर तैयार है। जैसे ही कारवां अनंतनाग, बिजबिहडा और मटन से गुजरा सैकड़ों लोग रास्तों में खड़े होकर वाहनों का स्वागत करते दिखे। घाटी अमन का पैगाम कश्मीर की शान जैसे नारों से घाटी गूंज उठी। होटल व्यवसायी रियाज अहमद बोले कि ये सिर्फ कारोबार नहीं पहचान की बात है। पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था ही नहीं दुनिया से हमारा रिश्ता भी है। पहलगाम पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने केहवा, पारंपरिक नाश्ते और रूफ नृत्य के साथ काफिले का स्वागत किया। माहौल एक बार फिर रंगों और गीतों से जीवंत हो उठा। ब्लॉगर वसीम अहमद ने कहा कि मैं चाहता हूँ कि मेरे बच्चे ऐसे कश्मीर में बड़े हों, शांति, संस्कृति और सुंदरता वाला कश्मीर न कि डर की सुर्खियों वाला।

गांदरबल में बीजेपी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर तिरंगा रैली निकाली

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की गांदरबल इकाई ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल की सफलता का जश्न मनाने के लिए रविवार को एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया। यह रैली बीहामा चौक से शुरू होकर डूडरहामा के क्लॉक टावर पर समाप्त हुई। इस रैली का नेतृत्व बीजेपी जिला अध्यक्ष गुलाम हसन राथर ने किया जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली में शामिल लोग हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति के नारे लगाते रहे। उन्होंने भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगाए और पाकिस्तान के खिलाफ विरोध जताया। पूरा माहौल देशभक्ति से गूंजता रहा और स्थानीय जनता की बड़ी भागीदारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रकट किया।

मंडी: बांदी कमान खान के 12 वर्षीय बच्चे की लापता होने के एक दिन बाद नाले में मिली लाश

जम्मू। मंडी तहसील के बांदी कमान खान इलाके का रहने वाला 12 वर्षीय इम्तियाज अहमद लापता होने के एक दिन बाद एक नाले में मृत अवस्था में पाया गया। स्थानीय लोगों ने बच्चे का शव नाले से बरामद किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। मासूम की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है और लोग गहरे सदमे में हैं।

नॉवगाम सेक्टर में सीमा तनाव के बीच प्रशासन ने शुरू किया सामुदायिक बंकरों का निर्माण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सीमा पर हालिया तनाव के मद्देनजर प्रशासन ने नियंत्रण रेखा के पास कुपवाड़ा ज़िले के नॉवगाम सेक्टर में सामुदायिक बंकरों का निर्माण शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने शुरुआती चरण में सात सामुदायिक बंकरों के निर्माण का कार्य शुरू किया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि हालिया गोलाबारी की घटनाओं ने उन्हें भयभीत कर दिया है और वे कई रातों तक सो नहीं सके। उन्होंने प्रशासन का आभार जताया कि उनकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को समझते हुए बंकर निर्माण की पहल की गई। लोगों ने कहा कि ईश्वर न करे अगर भविष्य में फिर ऐसी स्थिति बनती है, तो वे इन बंकरों में शरण ले सकेंगे। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने हाल के वर्षों में ऐसी गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति पहले कभी नहीं देखी।

काला अम्ब में अँधेरे में हो रहा था खनन, तीन पकड़े

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

काला अम्ब में खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शनिवार तड़के सुबह लगभग 3 बजे की गई, जब काला अंब थाना पुलिस अवैध माइनिंग, आबकारी उल्लंघन और खनिज चेकिंग के लिए नियमित गश्त पर थी। हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में अवैध टीम का नेतृत्व अतिरिक्त निरीक्षक अक्षर सिंह कर रहे थे।पुलिस जब चुड्डन खड्ड क्षेत्र में पहुंची, तो उन्हें पहाड़ी पर एक जेसीबी मशीन और दो टिप्पर खड़े मिले। एक टिप्पर में पहले से ही अवैध रूप से खनन किया गया ग्रेवल भरा हुआ था। जबकि दूसरी मशीन सक्रिय रूप से खनन कार्य में लगी थी और ग्रेवल निकालकर टिप्पर में भरा जा रहा था। यह स्पष्ट रूप से रात के समय अवैध खनन गतिविधि का मामला था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर मौजूद मशीन और वाहनों को जब्त किया। पूछताछ के दौरान जेसीबी मशीन चला रहे व्यक्ति की पहचान राजकुमार सिंह (37), निवासी गांव डंग्का, जिला मैनपुरी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। वहीं, टिप्पर चला रहा व्यक्ति तरसेम सिंह (27), निवासी गांव बक्सर, जिला यमुनानगर, हरियाणा पाया गया। तीसरा व्यक्ति विवेक कुमार (45), निवासी माजरा, जिला अंबाला, हरियाणा, टिप्पर का चालक था। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह तीनों मिलकर रात के समय बिना किसी वैध अनुमति के हिमाचल प्रदेश की खनिज संपदा का दोहन कर रहे थे और खनन सामग्री को राज्य से बाहर भेजने की कोशिश कर रहे थे। थाना कालाअंब में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है डीएसपी हेडक्वार्टर रमाकांत ठाकुर ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मौके से सभी वाहन और मशीनरी जब्त कर ली है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस अवैध खनन रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि खनिज संसाधनों की लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जूनियर सचिवालय सहायक परीक्षा में दूसरे की जगह परीक्षा देते पकड़ा हरियाणा का युवक

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के भराड़ी स्थित एक स्कूल में शनिवार को आयोजित जूनियर सचिवालय सहायक परीक्षा के दौरान एक युवक दूसरे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। पुलिस ने सदर थाना शिमला में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है

परीक्षा केंद्र अधीक्षक नितीश कुमार की शिकायत पर यह कार्रवाई अमल में लाई गई है। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि परीक्षा के दौरान ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को एक अभ्यर्थी की फोटो और हस्ताक्षर में गड़बड़ी नजर आई। इस पर जब उस युवक से पूछताछ की गई तो वह घबरा गया और विरोधाभासी बयान देने लगा। गहन जांच के बाद खुलासा हुआ कि वह युवक असली अभ्यर्थी नहीं बल्कि उसकी जगह बैठा एक फर्जी परीक्षार्थी था।

पकड़े गए युवक की पहचान संदीप कुमार पुत्र काली राम निवासी जींद, हरियाणा के रूप में हुई है। उसकी उम्र 23 वर्ष है। जांच में पाया गया कि वह अजय कुमार नामक अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने आया था। संदीप ने जानबूझकर किसी और की जगह परीक्षा में शामिल होकर धोखाधड़ी करने की कोशिश की।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 319(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया है, जिसमें किसी अन्य की पहचान अपनाकर जानबूझकर धोखाधड़ी करना शामिल है। सदर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शिमला पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपित संदीप को गिरफ्तार कर लिया गया है। संदीप से पूछताछ के दौरान यह जानने की कोशिश की जा रही है कि क्या वह किसी संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ है जो परीक्षा में नकल या फजीवाड़ा करने के लिए अभ्यर्थियों की जगह दूसरों को बैठाता है। इसके अलावा असली अभ्यर्थी अजय कुमार की भूमिका की भी जांच की जा रही है कि क्या उसने पैसे के लेन-देन के माध्यम से यह साजिश रची थी।

बाढ़ से क्षतिग्रस्त लारजी जल विद्युत परियोजना फिर से हुई कार्यशील, तीनों टरबाइन कर रहीं बिजली उत्पादन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

कुल्लू जिले की 126 मेगावाट क्षमता वाली लारजी जल विद्युत परियोजना को दो वर्ष से भी कम समय में पूरी तरह बहाल कर दोबारा कार्यशील कर दिया गया है। यह परियोजना 9 और 10 जुलाई 2023 को ब्यास नदी में आई भीषण बाढ़ के चलते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे विद्युत उत्पादन पूरी तरह रुक गया था। परियोजना की बहाली राज्य सरकार की तत्परता, कुशल नेतृत्व और विभागीय समर्पण से संभव हो पाई है, जिससे बड़े आर्थिक नुकसान से प्रदेश को बचाया जा सका। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार ने सबसे पहले इस परियोजना की मरम्मत के लिए 25 करोड़ रुपये की राशि जारी की। इसके बाद 35 करोड़ और फिर 185.87 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री ने परियोजना की बहाली में जुटे हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के अभियंताओं और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। परियोजना की यूनिट-1 को 15 जनवरी, 2024 को फिर से शुरू किया गया और 2 मई, 2024 को इसे पॉवर ग्रिड से जोड़ा गया। इसके बाद यूनिट-2 को 9 अगस्त, 2024 को और यूनिट-3 को 17 जनवरी, 2025 को शुरू किया गया। वर्तमान में परियोजना की सभी तीनों टरबाइन कार्यशील हैं और विद्युत उत्पादन पूरी क्षमता के साथ आरंभ कर दिया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि बाढ़ के चलते टरबाइन इकाइयों में भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था, जिसे मशीनों से हटाना संभव नहीं था। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को मैनुअल श्रमिक बल द्वारा पूर्ण किया गया। भविष्य में आपदाओं से बचाव के लिए परियोजना स्थल पर कई सुरक्षात्मक उपाय भी किए गए हैं। ढलानों को स्थिर करने के लिए केबल जाल और रॉक-फॉल बैरियर लगाए गए हैं। सर्ज शाफ्ट गेट के पास कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि पॉवर हाउस के प्रवेश द्वार पर भी सुरक्षा कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा बाढ़ के दौरान जलप्रवाह को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश सुरंग पर एक मजबूत जलरोधी गेट स्थापित किया गया है। इसी प्रकार का गेट आपातकालीन निकास सुरंग में भी लगाया जा रहा है, जिसमें सुरक्षित निकासी और जलरोधिता सुनिश्चित करने के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1953 में लारजी क्षेत्र में ब्यास नदी पर आई भीषण बाढ़ में 3838.37 क्यूमेक्स पानी का बहाव दर्ज किया गया था, जबकि 2023 की बाढ़ में यह आंकड़ा 5600 क्यूमेक्स तक पहुंच गया था, जो कि पहले की तुलना में काफी अधिक था। इसके बावजूद, सरकार के समयबद्ध प्रयासों से इस महत्वपूर्ण परियोजना को पुनर्जीवित कर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में मजबूती प्रदान की गई है।

अनंतनाग से दो तस्कर गिरफ्तार, नकदी के साथ-साथ बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त

एजेंसी (हि.स.)
अनंतनाग

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में दो मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया और नकदी के साथ-साथ बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त करके एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि विशिष्ट सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन बिजबिहाडा से एक पुलिस दल ने जीरपारा में एक नाका लगाया। जांच के दौरान एक हुंडई क्रेटा (पंजीकरण संख्या जेके02सीएक्स-6665) को रोका गया। वाहन की गहन तलाशी लेने पर उसमें से लगभग 1.250 किलोग्राम चरस पाउडर जैसा पदार्थ तथा 2.48 लाख नकद बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि दो व्यक्तियों की पहचान सबजार अहमद दास पुत्र मोहम्मद यूसुफ दास तथा अदनान नजीर दास पुत्र नजीर अहमद दास निवासी वाघामा बिजबेहरा के रूप में हुई है को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। तदनुसार पुलिस स्टेशन बिजबिहाडा में एफआईआर संख्या 102/2025 के तहत संबंधित कानूनों की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में शामिल व्यापक सांठगांठ और संबंधों को उजागर करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

नाहन मेडिकल कॉलेज की शिफ्टिंग का ब्राह्मण सभा ने किया विरोध, जल्द कार्य शुरू करने की मांग

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

नाहन में शनिवार को श्री ब्राह्मण सभा द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें सभा के अध्यक्ष पंडित सुखदेव शर्मा ने नाहन मेडिकल कॉलेज को शिफ्ट करने के प्रयासों का कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का कार्य लंबे समय से बंद पड़ा है और इसे शीघ्र शुरू किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र स्थानांतरित करने की चल रही कवायद को क्षेत्र की जनता के साथ अन्याय करार दिया। सुखदेव शर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस शिफ्टिंग का प्रयास कर रहे हैं, जिससे नाहन शहर को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य यथास्थान ही पूरा किया जाए। सभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि मेडिकल कॉलेज के विस्तार के लिए डीसी आवास, सीएमओ रेजिडेंस, सर्किट हाउस जैसी जगहों को स्वास्थ्य विभाग को सौंपा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर कई बीघा जमीन उपलब्ध है, जहां आधुनिक मेडिकल सुविधाओं के साथ कॉलेज का निर्माण किया जा सकता है। सभा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने नाहन मेडिकल कॉलेज को शिफ्ट करने की प्रक्रिया को नहीं रोका, तो क्षेत्र की जनता इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी।

गीते वर्ष 37 करोड़ रुपये की आय हुई

हिमाचल परिवहन विभाग ने एक साल में की 912 करोड़ रुपये की कमाई

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के परिवहन विभाग ने राजस्व अर्जन में नया रिकॉर्ड कायम करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 912 करोड़ रुपये की कमाई की है। यह आय पिछले वर्ष की तुलना में 132 करोड़ रुपये अधिक है। रविवार को प्रेसवार्ता में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक यह आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये पार कर जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक वर्ष में प्रदेश में 1.5 लाख नए वाहन पंजीकृत हुए हैं जिससे कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या 23 लाख के पार पहुंच गई है। वहीं इस दौरान एक लाख नए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए हैं और अब तक कुल 16 लाख लाइसेंस प्रदेश में एक्टिव हैं।

परिवहन विभाग की आय बढ़ाने में फैंसी नंबरों की ई-नीलामी ने अहम भूमिका निभाई है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले ये नंबर सिफारिश के आधार पर जारी होते थे। लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था के तहत इनकी ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। इस व्यवस्था से विभाग को बीते वर्ष 37 करोड़ रुपये की आय हुई है। कुछ विशेष नंबर 20 से 25 लाख रुपये तक में नीलाम हुए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र की नई परिवहन नीति के चलते बाहर से आने वाली बसों को रोकना अब चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में राज्य सरकार ने इन पर विशेष रोड टैक्स लगाया है। इससे अब तक 17 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों ने अब तक टैक्स नहीं चुकाया है वे अब उत्पाद शुल्क विभाग से एनओसी लेकर टैक्स अदा कर सकते हैं।

प्रदेश को परिवहन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लगातार दूसरे वर्ष केंद्र सरकार से पुरस्कार मिला है। पिछले वर्ष जहां 25 करोड़ की पुरस्कार राशि मिली थी वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 28.71 करोड़ रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को और मजबूत करने की दिशा में परिवहन विभाग 1000 नए वाहनों को रूट पर उतारने की योजना पर काम कर रहा है। वर्तमान में 234 बसें, 350 सीट क्षमता वाली 181 बसें और 18 सीटर टेम्पो परिचालित हो रहे हैं। इसके अलावा 3000 निजी वाहन और 27 हजार परमिट भी जारी किए गए हैं। वहीं ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के 65 होटलों में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। इस वर्ष कुल 88 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना है। साथ ही सोलन और नादौन में दो स्क्रैपेज पॉलिसी आधारित वाहन स्क्रैपिंग केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश में सात नए ऑटोमैटिक वाहन परीक्षण केंद्र भी शुरू किए जाएंगे।

अनंतनाग पंझठ उत्सव: ग्रामीणों ने मिलकर झरने की सफाई की, परंपरा के तहत पकड़ी मछलियां

जम्मू। दशकों पुरानी परंपरा को निभाते हुए ग्रामीणों ने सालाना पंझठ उत्सव के दौरान झरने की सफाई की और सामूहिक रूप से मछलियां पकड़ीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस गांव में लगभग 500 प्राकृतिक झरने हैं। हालांकि सरकार ने गांव के विकास को लेकर कई बार आश्वासन दिया है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। एक निवासी ने कहा कि सरकारी वादे अब तक सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं।

अलोचीबाग इलाके के बेघ मोहल्ला में एक रिहायशी घर में लगी आग

श्रीनगर। रविवार को श्रीनगर के अलोचीबाग इलाके के बेघ मोहल्ला में एक रिहायशी घर में आग लग गई जिसके बाद अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत कार्रवाई की। इस आग की घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार आज सुबह 11:45 बजे अलोचीबाग के बेघ मोहल्ला में एक रिहायशी घर में आग लगने की सूचना राज्य अग्निशमन नियंत्रण कक्ष, बटमालू को मिली जिसने तुरंत कार्रवाई की और बिना देरी किए अग्निशमन संसाधन भेजे। बयान में कहा गया है कि सुबह 11:46 बजे तक अग्निशमन मुख्यालय से चार दमकल गाड़ियों और प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई थी।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

संतों के दिखाये गये रास्ते पर चलते हुए सरकार हर वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए समर्पित: नायब सिंह सैनी

संत-महापुरुष सम्मान विचार एवं प्रसार योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय श्री गुरु गोरखनाथ प्रकटोत्सव का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के विचारों व आदर्शों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही ह्यसंत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजनाह्ल के तहत आज सोनीपत में श्री गुरु गोरखनाथ प्रकटोत्सव राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

इस अवसर पर श्री नायब सिंह सैनी ने श्री गुरु गोरखनाथ जी को नमन करते हुए कहा कि यह उनका परम सौभाग्य है कि इस प्रकटोत्सव समारोह में वे शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों के द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलते हुए हरियाणा सरकार हर वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए समर्पित है। सबसे पहले सबसे गरीब के जीवन स्तर को ऊपर उठाना ही राज्य सरकार का ध्येय है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सोनीपत में एक चौक का नाम श्री गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर रखने तथा प्रदेश में जोगी समाज की धर्मशालाओं के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने लगभग 104 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत वाली 4 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 84 करोड़ 82 लाख रुपये की 3 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 19 करोड़ 23 लाख रुपये की परियोजना का उद्घाटन शामिल है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का यह समारोह ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे बहादुर सैनिकों ने जिस साहस, निष्ठा और अनुशासन के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय आत्मा की गरिमा का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने टारगेट करके हमारे देश के मासूम नागरिकों को मारने का काम किया। पूरे देश की भावना को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद की बची खुची जमीन को भी अब मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' से हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां आतंकवाद पनपता था।

सिर्फ 3 घंटों में इन ठिकानों को हमारी सेना ने नेस्तनाबूद करने का काम किया। इस ऑपरेशन से पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत का लोहा माना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया को यह बता दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। आज पूरा देश मोदी जी के साथ है। आज पूरा देश भारतीय सेना के साथ है। भारत को ऋषि-मुनियों, संत महात्माओं एवं पीर-पैगम्बरों की भूमि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक संत-महात्माओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। वर्ष 2014 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार ने 'संत-महापुरुष सम्मान विचार एवं प्रसार योजना' शुरू की। आज श्री गुरु गोरखनाथ जी के प्रकटोत्सव पर राज्यस्तरीय समारोह का यह आयोजन भी इसी योजना के तहत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु गोरखनाथ जी ने योग विद्या को घर-घर पहुंचाया था। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग का प्रचार विश्वभर में करने का बीड़ा उठाया। उनके प्रयासों से वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। आज दुनियाभर के देश योग को आदर्श मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमने हरियाणा में नई पीढ़ी को योग प्रशिक्षण व योग साधना के लिए प्रेरित किया है। शैक्षणिक सत्र-2022-23 से पहली से 10वीं कक्षा तक योग शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी योग सिखाया जा रहा है। योग को बढ़ावा देने के लिए 'हरियाणा योग आयोग' का गठन किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रदेश के गांवों में योग एवं व्यायामशालाएं खोल रही है। अब तक 687 व्यायामशालाएं शुरू की जा चुकी हैं और 300 व्यायामशालाओं का कार्य प्रगति पर है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने सम्प्रदाय, जाति, मत, पंथ आदि किसी भी आधार पर भेदभाव न करने की शिक्षा दी थी। इसी के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की नीति पर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि सभी बिरादरी के लोग, सभी जातियों के लोग आगे बढ़ें, सभी का उत्थान हो और सभी को समाज में बराबर के हक मिलें। हम सबके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित करने का काम कर रहे हैं। विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि संतों महापुरुषों की जयंती सरकार द्वारा मनाने की परम्परा हमारी सरकार ने शुरू की है। इसी कड़ी में आज का यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु गोरखनाथ जी भगवान शिव के रूप थे। उन्होंने योग को आगे बढ़ाया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक ने कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आज हरियाणा ऐसा प्रदेश बना है, जहाँ गरीब आदमी महसूस करता है कि ये राज्य मेरा है, ये मुख्यमंत्री मेरा है। मुख्यमंत्री 24 घंटे लोगों की बात सुनने के लिए तैयार रहते हैं। सरकार की प्रत्येक योजना गरीब के घर तक पहुंचे, इसी ध्येय के साथ हरियाणा सरकार काम कर रही है। समारोह में विधायक श्री निखिल मदान ने श्री गुरु गोरखनाथ जी को नमन किया और उन्हें तप, त्याग, योग और साधना का प्रतीक बताते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी ने पूरे भारत का भ्रमण किया, सनातन संस्कृति का प्रचार करते हुए ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा हर समाज, हर जाति के महापुरुषों का सम्मान किया जा रहा है। हरियाणा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकार महापुरुषों के जन्म जयंती उत्सवों को राज्य स्तर पर मना रही है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इंडियन ऑयल के सीएसआर फंड से दी गई 100 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल में से 30 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल दिव्यांगजनों को वितरित की। समारोह में विधायक श्रीमती कृष्णा गहलौत, श्री देवेंद्र कादियान, श्री पवन खरखौदा, मेयर सोनीपत श्री राजीव जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पुलिस ने पकड़ी लाखों की हेरोइन महिला सहित चार गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
सिरसा

स्थानीय पुलिस ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए कालांवाली क्षेत्र से लाखों रुपये की सौ ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

कालांवाली थाना प्रभारी सुनील कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में पंजाब का नशा तस्कर गिरोह सक्रिय है। गिरोह के सदस्य कालांवाली में एक व्यक्ति के घर आए हुए हैं और हेरोइन को आपस में बांटकर बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश देकर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान जसराज सिंह, राजवीर सिंह, गुरप्रीत सिंह व एक महिला निवासी कालांवाली के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ थाना कालांवाली में अभियोग दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ की जा रही है। उधर, डबवाली पुलिस ने गांव चौटाला क्षेत्र से एक हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सात हजार रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। चौटाला पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान शिवप्रकाश के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ डबवाली सदर थाना में अभियोग कर किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की रणनीतिक क्षमता का प्रमाण: राव इंद्रजीत सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

'ऑपरेशन सिंदूर' की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में आज रेवाड़ी में 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने किया। सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित यह यात्रा स्थानीय महाराणा प्रताप चौक से शुरू होकर शहीद स्मारक नजदीक लघु सचिवालय पर संपन्न हुई। यात्रा में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग और मातृशक्ति की प्रमुख भागीदारी रही। यात्रा में रेवाड़ी से विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली से विधायक श्री अनिल यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल भी शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने यात्रा में सहभागी बने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति

का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह ऑपरेशन भारतीय सेना के अद्वितीय साहस, रणनीतिक कुशलता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में दोहराया है कि अब किसी भी प्रकार के आतंकवादी कृत्य को राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध की तरह माना जाएगा और उसी गंभीरता से उसका उत्तर भी दिया जाएगा। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य ताकत का परिचायक है बल्कि यह विश्व समुदाय को यह संदेश भी देता है कि भारत अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। पूरी दुनिया ने भारतीय सेना का पराक्रम देखा और उसका सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय सेना किसी भी खतरे का सामना करने में पूर्णतः सक्षम है। पाकिस्तान को दी गई यह शिकस्त केवल एक सैन्य विजय नहीं अपितु भारत की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प भी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने वैश्विक मंच पर भारत की रणनीतिक सोच और सैन्य क्षमता को मान्यता दिलाई है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा यह अभियान भारत की सैन्य शक्ति, सटीक योजना और जवानों के साहस का जीता-जागता प्रमाण है। यह नया भारत है जो अपने सैनिकों के पराक्रम से ना केवल दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देता है बल्कि आतंक के आकाओं को उनके घर मे घुसकर मारता है।

उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा उन सभी वीरों को भी समर्पित है जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से देश की एकता, अखंडता और सैनिकों के सम्मान में सदैव अग्रसर रहने की अपील की। तिरंगा यात्रा का शहीद स्मारक पर राष्ट्रगान के साथ गरिमामयी ढंग से समापन हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

गुरुग्राम के प्रवीण त्यागी बने भाजपा सहयोग मंच के प्रदेशाध्यक्ष

गुरुग्राम। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के करीबी वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीण त्यागी को भाजपा सहयोग मंच का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने की। प्रवीण त्यागी ने अपने मनोनयन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज व हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली समेत तमाम नेताओं का आभार जताया है। भाजपा ने हरियाणा में संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए प्रवीण त्यागी को ये जिम्मेदारी सौंपी हैं। पार्टी के प्रदेश प्रभारी और वरिष्ठ नेताओं की सिफारिश पर केंद्रीय नेतृत्व ने यह नियुक्ति की है। प्रवीण त्यागी लंबे समय से भाजपा से जुड़े हैं और पार्टी के विभिन्न अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। उन्हें संगठनात्मक अनुभव के साथ-साथ सामाजिक वर्गों से बेहतर संवाद के लिए जाना जाता है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में भाजपा सहयोग मंच राज्य के अलग-अलग वर्गों को पार्टी से जोड़ने में नई दिशा देगा। गुरुग्राम के बादशाहपुर गांव निवासी प्रवीण त्यागी इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं। वह रेलवे सलाहकार समिति और सांसद निधि कोष के सदस्य रहे। वर्तमान में अखिल भारतीय ब्रहम ऋषि महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं।

दो युवकों पर जानलेवा हमला, जलाई बाइक

झज्जर। जिला के बादली क्षेत्र में दो युवकों की चार-पांच युवकों ने बर्बरता से पिटाई की पैसे छीन लिए और बाद में उनकी दोनों मोटर साइकिलो में आग लगाकर फरार हो गए। हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल बादली उपमंडल के गांव सोलधा का निवासी कर्मवीर शनिवार देर शाम मोटर साइकिल पर सवार होकर अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए गांव गुभाना गया था। अपने रिश्तेदार साढू के घर दोनों ने कुछ समय जरूरी बातचीत की और जलपान करने के बाद दोनों गुभाना से एक साथ निकल पड़े। वे अपनी अलग-अलग बाइकों पर सवार थे। कर्मवीर ने पुलिस को बताया कि रास्ते में गंगड़वा गांव के पास दोनों फिर रुक गए और सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत करने लगे। इसी बीच कई अज्ञात लड़के आए। उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। दोनों की पिटाई की और पैसे छीन लिए। वे दोनों हमलावरों से जान बचाकर भाग आए। लेकिन दोनों की मोटर साइकिलें मौके पर ही छूट गई, जिन दोनों बाइकों को हमलावरों ने आग लगा दी और भाग गए। बाद में दोनों पीड़ित लड़कों ने वारदात की सूचना बादली थाना पुलिस को दी। प्राथमिक जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हो सकता है यह झगड़ा दो पक्षों में किसी पुराने विवाद के चलते हुआ हो। इस दृष्टिकोण से भी मामले की जांच की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में नर्सिंग छात्रा की मौत

पानीपत। पानीपत में सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से एक नर्सिंग छात्रा की मौत हो गई। डंपर का पिछला पहिया छात्रा के ऊपर से गुजर गया। वहीं दूसरे हादसे में एक फैक्ट्री मजदूर को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार छात्रा पूजा करनाल में नर्सिंग का कोर्स कर रही थी। पूजा अहर बस अड्डे पर सड़क पार कर रही थी। इस दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उसे टक्कर मार दी। डंपर का पिछला पहिया छात्रा के ऊपर से गुजर गया। मृतका के पिता बन्शी लाल ने रविवार को बताया कि वह बेटी का इंतजार कर रहे थे। तभी बेटी के हादसे की सूचना मिली। उधर डंपर चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने डंपर का नंबर नोट कर घायल छात्रा को तुरंत पानीपत सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य दुर्घटना में गांव नौल्था के पास कएक युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिसमें युवक की टांग टूट गई जानकारी के अनुसार मोहित मोटरसाइकिल से पानीपत से अपने गांव लौट रहा था। तभी एक ये रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उसकी एक टांग टूट गई। घायल को पानीपत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में चालकों के खिलाफ थाना मतलौडा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुशील कटारिया कटारिया बने स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन गुरुग्राम के अध्यक्ष

गुरुग्राम। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा की गुरुग्राम इकाई का रविवार को सर्वसम्मति से गठन किया गया। इस दौरान डॉ. सुशील कटारिया को गुरुग्राम जिला अध्यक्ष चुना गया। सुनील यादव को जिला संयोजक तथा कुलदीप खटाना को राज्य कार्यकारिणी में स्थान मिला। यह कार्यक्रम संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अजय मलिक की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के पर्यवेक्षक के रूप में नाज़िम आजाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के प्रति निष्ठा और निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सलाह का उद्देश्य शिक्षकों की समस्याओं का समाधान एवं उनके हितों की रक्षा करना है। इसके लिए हर स्तर पर समर्पित प्रयास आवश्यक हैं। इस मौके पर संगठन के मेवात के जिला अध्यक्ष रमन रोहिल्ला ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।

फतेहाबाद जिले की सेमग्रस्त भूमि के स्थायी समाधान के लिए सांसद कुमारी सैलजा ने सीएम को पत्र लिखा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि फतेहाबाद जिले की सेमग्रस्त भूमि के स्थायी समाधान के लिए शीघ्र प्रभावी कदम उठाए जाए ताकि किसान इस भूमि पर खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सके।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि उनके लोकसभा क्षेत्र के फतेहाबाद जिले के अनेक गांवों जैसे बन मंदोरी, पीली मंदौरी, चुहिया, खाबड़ा, बड़ोपल, खाराखेड़ी, धनिया, चबला मोरी आदि की हजारों एकड़ भूमि वर्षों से सेम (जलभराव व क्षारीयता) की गंभीर समस्या से ग्रस्त है। यह भूमि धीरे-धीरे कृषि योग्य स्थिति से बाहर होती जा रही है, जिससे इस क्षेत्र का किसान समुदाय भारी आर्थिक संकट में है। हाल के वर्षों में सिंचाई विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में सोलर ट्यूबवेल लगाए गए हैं, परंतु यह प्रयास क्षेत्र की आवश्यकता की तुलना में अपर्याप्त है। इन गांवों में स्थायी जल निकासी, भूमि सुधार एवं सोलर सिंचाई की व्यापक योजना की तत्काल आवश्यकता है।

सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि फतेहाबाद जिले की सेमग्रस्त भूमि की पहचान कर विशेष परियोजना के तहत उपचार योजना चलाई जाए, सोलर ट्यूबवेल योजना का विस्तार करते हुए अधिक से अधिक प्रभावित क्षेत्रों को शामिल किया जाए, जल निकासी की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसानों को इस प्रक्रिया में भागीदार बनाते हुए आर्थिक सहायता व तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। सांसद ने लिखा है कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आप किसानों की इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देंगे और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करवाएंगे।

ट्रेडिंग का झांसा देकर 30 लाख की ठगी

एजेंसी (हि.स.)
फरीदाबाद

टेलीग्राम पर ट्रेडिंग का झांसा देकर लाखों रुपए से अधिक की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि सेक्टर 30 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि पिछले दिनों उसने अपने मोबाइल फोन पर टेलीग्राम एप इंस्टॉल किया। ऐप इंस्टॉल होने के तीन-चार दिन बाद एक टेलीग्राम ग्रुप बन गया जिसमें शिकायतकर्ता का नंबर भी ऐड कर दिया गया था। उस ग्रुप में ट्रेडिंग के बारे में बताया जा रहा था तथा ग्रुप में धीरे-धीरे अन्य लोग भी जुड़ रहे थे। कुछदिन बाद जिस व्यक्ति ने वह ग्रुप बनाया था, उसने अपने बारे में बताया और ग्रुप में ट्रेडिंग के बारे में भी जानकारी दी कि कैसे ट्रेडिंग की जाती है, ट्रेडिंग से जुड़े हुए कुछ उदाहरण दिए तथा ट्रेडिंग से होने वाले प्रॉफिट के बारे में बताया। ग्रुप के सभी लोग उसकी बातों से संतुष्ट हुए और उन लोगों ने ट्रेडिंग करने का फैसला किया, इसके उपरांत ग्रुप एडमिन ने एक लिंक भेजा जिस पर शिकायतकर्ता का डिमैट अकाउंट बना और शिकायतकर्ता ने ट्रेडिंग करने शुरू कर दी। फिर ग्रुप एडमिन ने बताया कि वीआईपी ट्रेडिंग भी कर सकते हैं और इसमें तीन से पांच दिन में 10 से 15 लाख रुपए कमा सकते हैं। इस प्रकार शिकायतकर्ता ने वीआईपी ट्रेडिंग के लिए 60 हजार रुपए की फंड्स दिये, जिसमें उसका 14 लाख 40 हजार रुपए का मुनाफा दिखाया गया। जब शिकायतकर्ता ने प्रॉफिट अमाउंट निकलना चाहा तो ठगों ने कहा कि 20 प्रतिशत कमीशन का भुगतान करना होगा। जिस पर शिकायतकर्ता ने अपनी पत्नी के अकाउंट से दो लाख 88 हजार रुपए ठगों के बताये अनुसार जमा करा दिये। इसके बाद शिकायतकर्ता के पास मैसेज आया कि 11 प्रतिशत और टैक्स देना पड़ेगा, जिस पर शिकायतकर्ता को पता लगा कि उसके साथ फ्रॉड हुआ है। जिस शिकायत पर थाना सेंट्रल में ठगी की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए शिवकुमार (29) निवासी बुलंदशहर उत्तर प्रदेश व गंगाधर सारस्वत (34) निवासी राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि शिवकुमार पोस्ट ग्रेजुएट है तथा उसकी गांव में ही बिजली की दुकान है। उसने ललित कुमार से खाता लेकर आगे गंगाधर सारस्वत को दिया था।

फसलचक्र अपनाने से पैदावार में होगी बढ़ोतरी: डा. यादव

एजेंसी (हि.स.)
सिरसा

सिरसा जिला के गांव शेरपुरा में रविवार को कृषि विभाग द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें ग्वार की बिजाई एवं उसकी सुरक्षा को लेकर कृषि विशेषज्ञों ने जानकारी दी। ग्वार विशेषज्ञ डॉ.बीडी यादव ने कहा कि भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उसमें निरंतर कृषि प्रयोग करते रहना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि यदि फसलों में किसी प्रकार का रोग उत्पन्न हो तो तुरंत कृषि अधिकारी से संपर्क कर उचित सलाह लें। उन्होंने फसल सुरक्षा के लिए जैविक और रासायनिक उपायों की जानकारी भी विस्तार से दी। डॉ. यादव ने बताया कि ग्वार की खेती में जल प्रबंधन, समय पर निराई-गुड़ाई और कीट नियंत्रण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि समय पर कीटनाशकों का प्रयोग और फसलचक्र अपनाने से उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। डॉ.यादव ने बताया कि उखेड़ा बीमारी के जीवाणु जमीन में पनपते हैं व ग्वार के उगते हुए पौधों की जड़ों को काला कर देते हैं। जिससे पौधे जमीन से नमी व खुराक लेना बंद कर देते हैं। इस कारण पौधे मुरझाकर पीले होकर नष्ट जाते हैं। ऐसे पौधों को जब जमीन से उखाड़ कर देखते हैं तो उनकी जड़े काली मिलती हैं।

प्रदेश सरकार युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है

युवाओं को नौकरी देने में कसर नहीं छोड़ रही सरकार : गौरव गौतम

एजेंसी (हि.स.)
पलवल

खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता और कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार युवाओं को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में 26 जनवरी को आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने यह बात कही। समारोह में उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया।

गौरतलब है कि 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय व नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए जूते देने की घोषणा की थी। इसी के तहत यह पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। खेल मंत्री गौरव गौतम ने पलवल के युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ें और अपने माता-पिता, गांव व जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों से समय-समय पर ऐसे आयोजन करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने बताया कि सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

जिले में लगभग सभी खेलों के लिए कोच नियुक्त किए गए हैं और शेष खेलों के लिए भी जल्द कोच नियुक्त होंगे। साथ ही, खेल स्टेडियमों में सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल, उप जिला शिक्षा अधिकारी डा. मामराज रावत, खंड शिक्षा अधिकारी दयानंद रावत, सहायक जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी जसवीर तेवतिया, प्रिंसिपल धर्मबीर रावत सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

संपादकीय

इथेनॉल बन रहा है भारत को आत्मनिर्भर ऊर्जा राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बेहद प्रभावशाली माध्यम

जी हां भारत एक उभरती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था है, जिसकी ऊर्जा मांग प्रतिवर्ष तीव्र गति से बढ़ रही है। जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता भारत को न केवल आर्थिक रूप से झटका देती है, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी गंभीर संकट पैदा करती है। ऐसे में इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम भारत की हरित ऊर्जा नीति में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। आइये समझते हैं इथेनॉल और इसकी महत्ता के बारे में। इथेनॉल एक बायोफ्यूल है, जिसे मुख्य रूप से गन्ना, मक्का, चावल आदि जैसे कृषि उत्पादों से प्राप्त किया जाता है। जब इसे पेट्रोल में मिश्रित किया जाता है, तो यह न केवल प्रदूषण को कम करता है, बल्कि तेल आयात पर निर्भरता भी घटाता है। भारत ने वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2024 तक यह दर लगभग 12% तक पहुँच चुकी है, जो सरकार की योजनाओं की सफलता की ओर संकेत करता है। भारत हर वर्ष लाखों करोड़ रुपये कच्चे तेल के आयात पर खर्च करता है। इथेनॉल मिश्रण से इस आयात पर लगाम लगाई जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्ष 2014 से 2024 तक लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत इथेनॉल उपयोग से हुई है। इसने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नया आयाम दिया है। इथेनॉल क्लीन बर्निंग फ्यूल है, जिससे गाड़ियों से होने वाला कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होता है। यह पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों की दिशा में एक प्रभावी कदम है। भारत के इथेनॉल कार्यक्रम ने 544 लाख मीट्रिक टन सी ओ 2 उत्सर्जन को रोका है, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इथेनॉल उत्पादन में मुख्य कच्चा माल कृषि उपज होती है, विशेषकर गन्ना और मक्का। इससे किसानों को वैकल्पिक आमदनी का स्रोत प्राप्त होता है। वर्ष 2014 से अब तक किसानों को 87,558 करोड़ रुपये इथेनॉल की बिक्री के जरिये प्राप्त हुए हैं। इथेनॉल मिश्रण नीति ने फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को विकसित करने की दिशा में नवाचार को प्रेरित किया है। ये वाहन ई85 और ई100 जैसे उच्च इथेनॉल मिश्रणों पर चल सकते हैं। सरकार ने 2024 में ई100 ईंधन लॉन्च भी किया है, जो विशेष रूप से उच्च ऑक्टेन इंजनों के लिये है। इथेनॉल आधारित जैव-हब बायोगैस, बायोफर्टिलाइजर और बायो-एनर्जी के एकीकृत केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं बल्कि संसाधनों का अधिकतम उपयोग भी संभव होता है। सरकार ने इथेनॉल पर जी एस टी घटाकर 5% कर दिया है, ब्याज सब्सिडी योजना शुरू की है और राज्यों के बीच आवाजाही पर नियंत्रण को भी शिथिल किया है। इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ा है और उत्पादन क्षमता में विस्तार हुआ है। सार्वजनिक तेल कंपनियों ने अब तक 1.45 ट्रिलियन रुपये का इथेनॉल खरीदा है। इथेनॉल सम्मिश्रण के सामने कई चुनौतियाँ भी है। गन्ना, मक्का और चावल जैसे खाद्यान्न फसलों को ईंधन के लिये उपयोग में लेने से खाद्य आपूर्ति पर असर पड़ता है। इससे मुद्रास्फीति और भोजन की कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। वर्ष 2024 में भारत मक्के का शुद्ध आयातक बन गया - यह संकेत है कि इथेनॉल उत्पादन के कारण खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है। गन्ने से एक लीटर इथेनॉल बनाने में लगभग 2,860 लीटर पानी लगता है। यह आँकड़ा जल संकट वाले राज्यों के लिये विशेष रूप से चिंताजनक है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि यह दीर्घकालीन जल सुरक्षा के लिये खतरा बन सकता है। गन्ने और खाद्यान्न की अनियमित उपलब्धता से इथेनॉल उत्पादन बाधित होता है। 2024 में कीट प्रकोप और विलंबित मानसून के कारण गन्ना उत्पादन में गिरावट आई, जिससे इथेनॉल लक्ष्य अधर में पड़ गए। ई 20 जैसे मिश्रणों से उन गाड़ियों की ईंधन दक्षता 6-7% तक कम हो जाती है, जो इसके लिए डिजाइन नहीं हैं। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। बार-बार ईंधन भरवाने की जरूरत और संभावित मरम्मत खर्च भी उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय हैं। अभी भी भारत के कई राज्यों में इथेनॉल भंडारण, परिवहन और मिश्रण की सुविधाएं सीमित हैं। राज्य स्तरीय नियंत्रण और भिन्न नीतियों के कारण इथेनॉल की निर्बाध आपूर्ति में बाधाएँ उत्पन्न होती हैं। भविष्य में हम इस के समाधान के लिए कई कदम उठा सकते हैं। द्वितीय पीढ़ी की इथेनॉल तकनीकें (2 जी इथेनॉल) - जो कृषि अवशेषों से ईंधन बनाती हैं - को तेजी से अपनाने की आवश्यकता है। इससे खाद्यान्न संकट से भी बचा जा सकता है। फ्लेक्स फ्यूल वाहनों का उत्पादन और उपयोग बढ़ाया जाए ताकि उच्च इथेनॉल मिश्रणों का अधिक प्रभावी उपयोग हो सके। एकीकृत नीति निर्माण, जिसमें जल संरक्षण, कृषि नीति और ऊर्जा नीति को जोड़कर योजना बनाई जाए। इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन पर केंद्रित निवेश से लॉजिस्टिक और भंडारण की दिक्कतें कम होंगी। निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स को प्रेरित कर जैव ईंधन के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना होगा। अंत में कह सकते हैं कि इथेनॉल भारत को आत्मनिर्भर ऊर्जा राष्ट्र बनाने की दिशा में एक बेहद प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। यह न केवल आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करता है, बल्कि किसानों के जीवन में भी परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है। हालांकि इसके सामने कई चुनौतियाँ हैं - जैसे खाद्य सुरक्षा, जल संकट और आपूर्ति श्रृंखला की अस्थिरता - लेकिन नीति, नवाचार और निवेश के माध्यम से इनका समाधान संभव है। यदि भारत एक सतत, समावेशी और टिकाऊ ऊर्जा मॉडल बनाना चाहता है, तो इथेनॉल इसमें परिवर्तन की चाबी साबित हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष: आज आपका प्रदर्शन व्यापार क्षेत्र में उत्कृष्ट रहेगा। सामाजिक मंचों पर भागीदारी बढ़ेगी और प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। धार्मिक गतिविधियों के प्रति रुझान रहेगा। हालांकि, आलस्य आपकी प्रगति में बाधा बन सकता है। दांपत्य जीवन में संतुलन और सुख बना रहेगा।

वृषभ: जीवनसाथी के प्रति सम्मान की भावना और परस्पर समझ में वृद्धि होगी। वरिष्ठों का मार्गदर्शन मिलेगा। सामाजिक दृष्टि से आपकी छवि मजबूत होगी। आप परिवार में कुछ परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं, जो सकारात्मक परिणाम देगा।

मिथुन: ध्यान की कमी के चलते कार्यों में बाधाएं आएंगी। आज नए काम शुरू करने से बचें। प्रेम-संबंधों में टकराव की संभावना है। सुख-सुविधाओं में कमी महसूस हो सकती है। किसी कानूनी विवाद में उलझने से बचें और अफवाहों पर भरोसा न करें।

कर्क: आज आपके विचारों को कार्यक्षेत्र में गंभीरता से सुना जाएगा। मनोरंजन और विलासिता पर खर्च संभव है। रुके हुए शासकीय कार्य पूर्ण हो सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे और जीवनशैली में सुधार होगा।

सिंह: स्वास्थ्य के लिहाज से घुटनों में तकलीफ हो सकती है। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बढ़ेगा। व्यापार में लाभदायक अनुबंध मिल सकते हैं। आज के दिन आपको संतान की उपलब्धियों से संतोष होगा। निर्माण कार्यों में तेजी आएगी।

कन्या: कार्य को टालने की आदत आपके लिए भविष्य में भी बाधा बन सकती है। समय प्रबंधन के साथ सभी कार्यों को निपटाएं। सहयोगियों का अच्छा समर्थन मिलेगा। शत्रुओं पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी। भूमि विवाद उभर सकते हैं, सतर्क रहें।

तुला: आप अपनी रुचि के अनुरूप कार्यों में व्यस्त रहेंगे। शेयर बाजार से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। परिस्थितियों को समझदारी से संभालें। पुराने अधूरे कार्य समय पर पूरे करने का प्रयास करें। बच्चों को अनुशासन में रखने की जरूरत है।

वृश्चिक: कठोर वाणी से परहेज करें। आज व्यर्थ की भागदौड़ करनी पड़ सकती है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेगा। मधुमेह के रोगी खानपान को लेकर सतर्क रहें। लेन-देन में सावधानी बरतें, जल्दबाजी आर्थिक नुकसान दे सकती है।

धनु: गर्मी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, विशेषकर पेट से जुड़ी। बच्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पुराने रोग उभर सकते हैं। जरूरी वस्तुएं गुम हो सकती हैं। विरोधियों से सावधान रहें और जोखिम भरे निवेश से दूर रहें।

मकर: व्यापारिक दृष्टिकोण से दिन अनुकूल है। योजनाबद्ध ढंग से काम करने से लाभ होगा। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति दिखेगी। विवेक से लिए निर्णय फलदायी रहेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी संभव है। नौकरीपेशा जातकों का तबादला हो सकता है।

कुंभ: आज के दिन नकारात्मक संगति से दूरी बनाएं। आज अपने पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यवसाय में आज के दिन थोड़ी गिरावट संभव है। अति आत्मविश्वास से नुकसान हो सकता है। बेवजह के विवादों में न उलझें।

मीन: कार्यक्षेत्र में नई सीख मिलेगी और आपकी सलाह की सराहना होगी। व्यापार में बदलाव की योजना बना सकते हैं। मधुर व्यवहार से लोकप्रियता बढ़ेगी। भाई-बहनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। कला और संगीत के प्रति रुझान रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान का संगम

ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट किया है कि भारत वैधता नहीं चाहता है। देश न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए।

पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी कृत्य के प्रति भारत की जवाबी प्रतिक्रिया - ऑपरेशन सिंदूर, जो अभी भी जारी है - आतंकवाद-रोधी और सैन्य सिद्धांत तथा रुख में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अपने जोशीले भाषण में, जिसकी गूंज पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में सुनायी दी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि सीमा-पार आतंकवाद के किसी भी कृत्य के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई की एक नई सामान्य स्थिति स्थापित की गई है।

कोई भी देश, जो आतंकवादी अवसंरचना को पनाह देता है, उसे वित्तीय मदद देता है और उसका पोषण करता है, उसे अपने सैन्य बलों के साथ जोड़ता है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमलों के लिए भारत को निशाना बनाता है, उसे त्वरित, दंडात्मक और प्रतिशोधी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सोची-समझी सैन्य कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच में भी आतंकवादी नेटवर्क ध्वस्त हो जाएंगे, भले ही राज्य प्रायोजित आतंकवादी ठिकाने आधिकारिक सुरक्षा संरचनाओं के साथ कितने भी जुड़े हुए हों।

सिंदूर सिद्धांत, भारत की संप्रभुता और सभ्यतागत लोकाचार को बनाए रखने में निहित है। इसका उद्देश्य इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, आंतरिक एकता, सद्भाव और शांति सुनिश्चित करना और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए देश को त्वरित आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। यह सीमा-पार आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के रुख की पुष्टि करता है और भारत को अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध करता है, जिसे पुनर्परिभाषित और विस्तृत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है: भारत के खिलाफ किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई युद्ध मानी जायेगी - अब कोई संदेह की स्थिति नहीं है, किसी दूसरे तरीके से युद्ध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आतंकवाद से होने वाले नुकसान के आगे हार नहीं मानी जाएगी। ऑपरेशन के बाद राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष प्रधानमंत्री का संबोधन सफलता की पुष्टि से कहीं अधिक था। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिए गए इस संबोधन ने एक नई रणनीतिक व्यवस्था का अनावरण किया- दृढ़, गरिमापूर्ण और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित।

इसने एक सरल लेकिन दृढ़ संदेश दिया: भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन शांति को शक्ति का समर्थन होना चाहिए। अपने मूल में, प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर सिद्धांत तीन अलग सिद्धांतों पर जोर देता है, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पहला, भारत उन देशों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा, जो आतंक को बढ़ावा देते हैं; जब बातचीत फिर से शुरू होगी, तो यह द्विपक्षीय होगी तथा इसमें केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर चर्चा होगी। दूसरा, भारत आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है तथा व्यापार और राष्ट्रीय सम्मान के बीच एक सुदृढ़ रेखा खींचता है। अंत में, भारत अब परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा- ऑपरेशन सिंदूर ने निर्णायक रूप से उन सभी भ्रमों को तोड़ दिया है कि परमाणु खतरे, आतंकी कृत्यों के ढाल बन सकते हैं।

'सिंदूर' नाम का चयन गहन सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता को रेखांकित करता है। विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला लाल सिंदूर - पीड़ित होने के रूपक के रूप में नहीं, बल्कि पवित्र कर्तव्य और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। आतंकवादियों ने इस सम्मान को अपवित्र करने की कोशिश की; भारत ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। व्यक्तिगत राजनीतिक हो गया, सांस्कृतिक रणनीतिक हो गया। चूंकि आतंकी हमला कश्मीर में हुआ था, जो भारत माता का भौगोलिक और प्रतीकात्मक सिर है, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर भारत माता की रक्षा करने और उसे सलाम करने के लिए है। भारत की प्रतिक्रिया एक सैद्धांतिक विरासत का अनुसरण करती है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र से लेकर 1980 के दशक के इंदिरा सिद्धांत तक तथा 1998 में पोखरण-क्कपरीक्षणों के जरिए वाजपेयीजी के साहसिक परमाणु दावे से लेकर –जिसने वैश्विक दबावों और प्रतिबंधों के बावजूद भारत के आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार की पुष्टि की और विश्वसनीय न्यूनतम अवरोध की नीति स्थापित की–से लेकर उरी और बालाकोट में प्रदर्शित मोदी सिद्धांत तक, भारतीय शासन नीति ने लंबे समय से संकट के समय और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में संप्रभु निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सिंदूर सिद्धांत इसे आगे बढ़ाता है, आत्मविश्वास से भरे भारत ने इसका समर्थन किया है। देश अपने मूल हितों तथा अपने नागरिकों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र व मजबूती से काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भू-राजनीतिक रूप से, इस ऑपरेशन ने क्षेत्रीय उम्मीदों को फिर से स्थापित किया है। आतंकवाद के लिए ढाल के रूप में परमाणु शक्ति का इस्तेमाल करने के आदी पाकिस्तान का सीधे सामना किया गया है। दंड से मुक्ति का भ्रम टूट गया है।

चीन, हालांकि औपचारिक रूप से तटस्थ है, उसे अपने सहयोगी की कमजोरी को समझना होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर रूस तक, वैश्विक शक्तियाँ भारत को बाहरी संकेत या समर्थन की प्रतीक्षा किए बिना कार्रवाई करते हुए देख रही हैं। अन्य पड़ोसियों को अब अपनी दुर्भावना और भारत विरोधी कार्रवाइयों के परिणामों का आकलन करना चाहिए।

पिछले 11 वर्षों में, भारत ने कई भौगोलिक क्षेत्रों में और प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक सघन और मजबूत नेटवर्क सफलतापूर्वक निर्मित किया है। इसने बहुपक्षीय और लघुपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्थाओं में भाग लिया है और मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, प्रमुख शक्तियों और इन साझेदारियों से जुड़े भारत के कई रणनीतिक और रक्षा संबंध अग्नि परीक्षा से गुजरे।

पहलगाम के बाद, संतोषजनक बात यह थी कि हमारे भागीदारों द्वारा आतंकवादी हमलों की सार्वभौमिक निंदा की गयी। हालाँकि, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तीव्र कार्रवाई के बाद, परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ने के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं। प्रतिक्रियाएँ इस बात से भी प्रभावित थीं कि इस सैन्य संघर्ष में उनके हथियार प्रणालियों ने कैसा प्रदर्शन किया या कि क्या प्रदर्शन करने में विफल रहे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें न केवल अपने रणनीतिक साझेदारों को सावधानी से चुनना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये साझेदारियाँ सिंदूर सिद्धांत को शामिल करती हों।

इसका मतलब यह है कि उन्हें पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसके आतंकी ठिकानों को खत्म करना चाहिए और राज्य-नीति के रूप में आतंकवाद का परित्याग करना चाहिए। यदि हमें पाकिस्तानी आतंकवादी-सैन्य ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करना पड़ता है, तो उन्हें हमारे साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। दुष्टों के लिए कोई शरणस्थली नहीं, कोई बचाव नहीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जिस आतंकी ढांचे को निशाना बना रहा है, वह न सिर्फ भारत और लोकतंत्र के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में देश की भूमिका के लिए भी खतरा है।

पाकिस्तान से आतंकवाद को वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जाता है - यूरोप, यूके, संयुक्त राज्य अमेरिका और उससे आगे। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अधिकांश हिस्सा आंखें मूंद कर बैठा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी समूह पाकिस्तान में खुलेआम काम करते हैं। पाकिस्तान पहले भी आतंकवादी समूहों की शरणस्थली था और अब भी है। ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान, पाकिस्तान के रक्षा और विदेश मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से इतना स्वीकार किया। भारत ने आतंक के इस असंख्य सिर वाले राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करके वैश्विक सेवा की है।

यह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के योद्धा के रूप में खड़ा है। दुनिया को कार्रवाई करने के लिए जागरूक होना चाहिए और आतंक के अपराधियों और इसके खिलाफ काम करने वालों के बीच नैतिक समानता स्थापित करना बंद करना चाहिए - चाहे उनके संकीर्ण, अल्पकालिक, दिखावटी विचार कुछ भी हों। सिंदूर सिद्धांत का आर्थिक आयाम भी महत्वपूर्ण है। 'आतंकवाद के साथ कोई व्यापार नहीं' की स्पष्ट घोषणा करके, भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आर्थिक उपायों को क्रियान्वित किया है।

व्यापार और सिंधु जल संधि जैसी संधियों को निलंबित करने जैसे कदम आर्थिक संबंधों को राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के साथ मजबूती से संरेखित करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करते हैं। ये उपाय एक स्पष्ट संदेश देते हैं: आतंक के खात्मे के बाद आर्थिक संबंध बनने चाहिए, न कि पहले।

अस्तित्व आधारित संदेश यह है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। नारी-शक्ति से जुड़ा एक शक्तिशाली आख्यान ऑपरेशन के संदेश को पुष्ट करता है और इसे सुर्खियों में लाता है: भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका। ऑपरेशन के बाद दो महिला अधिकारियों ने प्रमुखता से सैन्य प्रेस वक्तव्यों का नेतृत्व किया, जो भारत के रक्षा परिदृश्य में महिलाओं के बढ़ते महत्व का प्रतीक है। 'नारी शक्ति' (महिला सशक्तिकरण) के इस क्षण ने महिलाओं के प्रति भारत के सभ्यतागत सम्मान को मजबूत किया, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर समकालीन महिला सैन्य अधिकारियों तक के ऐतिहासिक उदाहरणों की प्रतिध्वनि की, जिससे राष्ट्रीय गौरव को लैंगिक समावेश के साथ जोड़ा गया।

भारत की सैन्य ताकत घरेलू नवाचार की मदद से तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, कुछ विदेशी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया था, स्वदेशी मिसाइलों, ड्रोन और निगरानी उपकरणों की सफल तैनाती, रक्षा में आत्मनिर्भरता की परिचालन परिपक्वता को उजागर करती है। यह हमारे निर्यात जोर और मांग को बढ़ाता है। हमने भारत में आयातित और सह-निर्मित हथियार प्रणालियों के साथ-साथ पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हथियार प्रणालियों का भी परीक्षण किया और इनसे हमारे द्वारा लिए गए सही निर्णयों की पुष्टि हुई। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया कि भारत वैधता नहीं चाहता - वह न्याय चाहता है।

भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सिंदूर सिद्धांत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं है; यह सैद्धांतिक स्पष्टता का एक सक्रिय दावा है। भारत के नागरिकों के, विशेषकर महिलाओं के जीवन, गरिमा, भलाई और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी बिंदु पर राष्ट्रीय सुरक्षा का राष्ट्रीय सम्मान के साथ संगम होता है। यहीं पर प्राचीन मूल्य, आधुनिक ताकत के साथ मिलते हैं। और यहीं पर भारत खड़ा है- निडर, अडिग और एकजुट।

जय हिंद।

लक्ष्मी पुरी
संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला की उप कार्यकारी निदेशक तथा भारत की पूर्व राजदूत।

डिजिटल युग में बचपन और रिश्तों का संकट

प्रियंका सौरभ (हि.स.)

डिजिटल युग ने जहां हमारी दुनिया को एक-दूसरे के बेहद करीब ला दिया है, वहीं इसके प्रभाव ने बच्चों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों में गहरे बदलाव भी ला दिए हैं। आज के बच्चे आँगन की मिट्टी छोड़कर स्मार्टफोन, टैबलेट और गेमिंग की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। उनका बचपन अब स्क्रीन की चकाचौंध में डूबा है, जिससे न केवल पारिवारिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बल्कि उनकी मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सेहत पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। कुछ दशक पहले का बचपन आज से बिलकुल अलग था। आँगन में कंचे खेलना, मिट्टी में खेलना, दौड़-भाग और गली-मोहल्ले में दोस्तों के साथ मस्ती करना, हर बच्चे की जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा था। बच्चे पसीने से तरबतर होकर घर आते थे।

माँ की ममता भरी थपकी और दादी की कहानियाँ उनके दिन की खुशी का आधार हुआ करती थीं। उस वक्त डिजिटल उपकरणों का नामोनिशान भी नहीं था। आज का बचपन बदले हुए दौर की पहचान है। बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट और वीडियो गेम्स की दुनिया में उलझे रहते हैं। वे घंटों एक छोटी सी स्क्रीन के सामने बैठकर आभासी पात्रों के साथ लड़ते-झगड़ते हैं, लेकिन असली दुनिया से उनकी दूरी बढ़ती जा रही है। वे पारिवारिक संवाद और वास्तविक सामाजिक मेलजोल से दूर हो रहे हैं। मनोवैज्ञानिक और शोधकर्ता इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों में स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए नुकसानदायक है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 12-18 वर्ष के लगभग 75% बच्चे दिन में चार से छह घंटे तक मोबाइल या टैबलेट का उपयोग करते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक इस उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम दो घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अधिक देर तक स्क्रीन देखने से बच्चों की नींद प्रभावित होती है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है और मानसिक तनाव बढ़ता है। इससे अवसाद, चिड़चिड़ापन और अकेलेपन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। साथ ही शारीरिक रूप से भी वे सक्रिय नहीं रहते, जिससे मोटापा, दृष्टि की कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे के साथ समय बिताने की बजाय अपने-अपने मोबाइल या डिजिटल उपकरणों में खोए रहते हैं। भोजन करते समय भी अधिकतर लोग फोन पर व्यस्त रहते हैं। बच्चों के साथ संवाद की कमी उनके और माता-पिता के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ा रही है। बच्चे अपने मन की बात कहने में संकोच करते हैं, जिससे उनका मनोबल कमजोर होता है। परिवार में संवाद की कमी से बच्चों की समझ और सहानुभूति विकसित नहीं हो पाती। वे अपनी भावनाओं को सही ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते, जो रिश्तों में दरार का कारण बनता है।

इसका असर उनकी सामाजिक व्यवहार, दोस्ती और रिश्तों की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। स्क्रीन के सामने बिताया गया अधिक समय बच्चों के सामाजिक कौशल को प्रभावित करता है। वे वास्तविक जीवन के संपर्क में कम आते हैं, जिससे उनकी संवाद क्षमता, सहनशीलता और टीम भावना कमजोर होती है। बच्चे जो जीवन के अनुभवों और अलग-अलग लोगों से मिलने-जुलने से सीखते हैं, वे अनुभव डिजिटल माध्यम से पूरी तरह से नहीं हो सकते। भावनात्मक विकास के लिए भी पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मेलजोल की जरूरत होती है। बच्चे अपनी खुशियों, दुखों और परेशानियों को परिवार या करीबी दोस्तों के साथ बांटकर मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। परंतु डिजिटल युग में इस आदत का टूटना, बच्चों को अकेला और असहाय महसूस कराता है। आज के बच्चे अपनी दोस्ती को 'फॉलोअर्स', 'लाइक्स' और 'कमेंट्स' तक सीमित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो मित्रता होती है, वह अक्सर सतही और अस्थायी होती है। आभासी मित्रों से मिलने वाली स्वीकार्यता अस्थायी संतुष्टि देती है, लेकिन असली जीवन के कठिन समय में वे समर्थन नहीं दे पाते। गेमिंग की दुनिया में बच्चे जीतने के लिए कई बार आपस में लड़ते हैं, झूठ बोलते हैं या अनैतिक रास्ते अपनाते हैं। यह उनकी नैतिकता और व्यवहार को प्रभावित करता है। खेलों की इस प्रतिस्पर्धा में बच्चों का आपसी प्रेम और सम्मान कम होता जा रहा है। बच्चों के इस डिजिटल मोह को समझना और नियंत्रित करना आज माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी रुचियों को समझें और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। उन्हें चाहिए कि वे बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग पर नजर रखें और उचित समय सीमा तय करें।

स्कूलों में भी डिजिटल लत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम होने चाहिए, जहाँ बच्चों को डिजिटल संतुलन का महत्व समझाया जाए। बच्चों को प्राकृतिक खेलों, कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उनका मानसिक विकास स्वस्थ हो। सांस्कृतिक और सामाजिक बदलाव की जरूरतयह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर की नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की भी मांग करती है। हमें समाज के रूप में यह स्वीकार करना होगा कि आभासी दुनिया कभी भी वास्तविक जीवन का विकल्प नहीं हो सकती। परिवारों को चाहिए कि वे पारिवारिक मुलाकातों और वार्तालाप को प्राथमिकता दें। समाज में सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक खेल, त्योहार, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे बच्चे और परिवार आपस में जुड़ेंगे, भावनात्मक संबंध मजबूत होंगे और बच्चों का समग्र विकास होग। डिजिटल की दुनिया में खोया बचपन न केवल बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि पारिवारिक रिश्तों को भी कमजोर करता है। बच्चों की हँसी, खेल और रिश्तों की गहराई को बचाने के लिए हमें सजग और सक्रिय होना होगा। जरूरत इस बात की है कि माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि डिजिटल तकनीक का उपयोग संतुलित और स्वस्थ तरीके से हो। बच्चों को वह बचपन दें जिसमें वे न केवल डिजिटल दुनिया के माहिर हों, बल्कि असली जिंदगी के रंग भी गहराई से महसूस कर सकें। आखिरकार, आँगन की मिट्टी की खुशबू, माँ-बाप की ममता और भाई-बहनों का साथ, जो भावनाओं से जुड़ी होती है, उसे कोई भी डिजिटल दुनिया कभी नहीं दे सकती। बचपन की यही मिठास, यही मासूमियत और यही रिश्तों की गूंज जीवन का सच्चा संगीत है, जिसे हमें सहेज कर रखना होगा।

वैश्विक पहचान से सांगरी के लिए बढ़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार

मई का पहला सप्ताह राजस्थान के लिए खासा महत्त्वपूर्ण रहा। इस सप्ताह राजस्थान की प्रतीक और पहचान 'सांगरी' को वैश्विक प्रतिष्ठा मिली। सांगरी मरुस्थलीय इलाके का प्रमुख खाद्य व्यंजन है। इस महीने सांगरी को भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिला, जिससे अब इसके लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार मिलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

यह राजस्थान के खाद्य व्यापारियों के लिए ही नहीं, बल्कि सीधे किसानों के लिए भी शुभ संकेत है। सांगरी के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के द्वार खुलने से राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। बदलते समय के साथ रेगिस्तान का खेजड़ी अब वरदान बन गया है। सांगरी राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी का एक उत्पाद है। राजस्थान के खान-पान में केर-सांगरी का अचार या सब्जी के अलावा इनके साथ कुमटिया, गुंदा और अमचूर मिला कर बनाई जाने वाली 'पंचकूटा' की सब्जी मरुधरा की विशिष्ट पहचान है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाजार में इसका भाव बारह सौ से लेकर डेढ़ हजार रुपए प्रति किलो है।

केर-सांगरी और पंचकूटा वस्तुतः 'छप्पनिया काळ' की देन है, जो 1899 ईस्वी और विक्रम संवत के हिसाब से 1956 में पड़ा था। छप्पनिया अकाल को 'द ग्रेट इंडियन फेमिन 1899' के नाम से भी जाना जाता है। इस अकाल में लाखों लोगों की जान गई थी। भयंकर आपदा के इस दौर में लोगों के पास खाने के नाम कुछ भी न बचा था। इस अकाल को लेकर कहा जाता है कि ये दौर ऐसा था कि लोगों के लिए न तो खाने के लिए कुछ था और न पीने के लिए, लेकिन इस भीषण सूखे में रेगिस्तानी इलाकों में खेजड़ी (जिन पर सांगरी की फली होती है) और केर नहीं सूखे। जब लोगों और पशुओं के लिए भी खाने को कुछ नहीं बचा तो केर और सांगरी की फली लोगों को खूब काम आई।

कहा जाता है कि खेजड़ी की छाल और फली तक लोग कच्ची खाकर गुजारा करने लगे। केर एक केपर जैसा रेगिस्तानी फल है जो कांटेदार झाड़ी पर उगने वाली एक बेरी है। इसका स्वाद तीखा होता है, जिससे इसका अचार काफी चटपटा बनता है। दूसरी ओर सांगरी खेजड़ी के पेड़ की फलियों जैसी होती है। बबूल फली या बबूल के पेड़ के चपटे बीज होते हैं। इसी केर-सांगरी और पंचकूटा सब्जी का महत्व वर्तमान में ऐसा है कि राजस्थान से जुड़ा कोई भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय आयोजन या समारोह हो, इनके बिना मेनू पूरा हो ही नहीं सकता। फाइव स्टार होटलों में 'बीन्स एंड बेरीज वेजिटेबल' के नाम से यह बेहद महंगे दाम पर मिलती है। अब जब इसे जीआई टैग मिल चुका है तो विश्व बाजार में आर्थिक रूप से इसकी संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं।

हरीश शिवनानी (हि.स.)

राजस्थान में सांगरी का कुल कारोबार सालाना मोटे तौर दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा का है। अब इसमें बढ़ोत्तरी होने की पूरी संभावना है क्योंकि विश्व व्यापार संगठन के मानदंडों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में सांगरी को अब 'प्रीमियम प्राइस' भी मिलेगा। वस्तुतः जीआई टैग कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उन वस्तुओं को दिया जाता है जो एक खास क्षेत्र में उत्पादित होते हैं। इसमें क्षेत्र की विशेष गुणवत्ता या प्रतिष्ठा या अन्य विशेषताएं शामिल होती हैं। राजस्थान में इसका करोबार उत्पाद संगठित और असंगठित क्षेत्रों में किया जाता है, वो भी राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में। बड़े व्यापारियों से लेकर छोटे किसान भी इसमें शामिल हैं। यह काफी महँगे दामों पर बिकने वाला उत्पाद है। इसमें क्षेत्र की विशेष गुणवत्ता या प्रतिष्ठा या अन्य विशेषताएं शामिल होती हैं। यह टैग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी किया जाता है।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) ने कोलायत के गोविंदसर गांव में खेजड़ी उत्पाद बेचने वाली किसानों की एक सोसायटी के माध्यम से जीआई टैग हासिल किया है। अब जब राजस्थान में खेजड़ी की सांगरी कोजीआई टैग मिला है तो कई बड़े फायदे होंगे।

बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन यानी खेजड़ी के पेड़ को संरक्षित किया जा सकेगा। सांगरी को वैश्विक पहचान मिलेगी और इसके प्रोडक्ट्स का निर्यात होगा। किसी भी उत्पाद को जीआइए टैग दिया जाता है तो उस उत्पाद को कानूनी सुरक्षा भी प्रदान की जाती है। जीआई टैग के दूसरे फायदे भी हैं। किसी भी वस्तु या उत्पाद को जीआई टैग प्राप्त होने के बाद कोई भी निमार्ता समान उत्पादों को बाजार में लाने के लिए नाम का दुरुपयोग नहीं कर सकता। यह टैग मिलने से किसी उत्पाद की विशिष्टता और पहचान स्थापित होती है। इससे उस उत्पाद की मांग बढ़ती है जिससे किसानों और कारीगरों की आय में वृद्धि होती है और नकली उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलती है।

भारत में जीआई को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और सुरक्षा) अधिनियम 1999 के द्वारा नियंत्रित किया जाता है। राजस्थान की कई वस्तुओं को जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग प्राप्त हैं। इनमें से कुछ प्रमुख वस्तुएं हैं- बगरू हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, जयपुर की ब्लू पॉटरी, राजस्थान की कठपुतली, कोटा डोरिया, मोलेला मिट्टी का काम, फुलकारी, पोकरण मिट्टी के बर्तन, सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, थेवा आर्ट वर्क, नाथद्वारा पिचवाई शिल्प, बीकानेर काशीदाकारी शिल्प, बीकानेर उस्ता कला शिल्प, जोधपुर बंधेज शिल्प, उदयपुर कोफ्तगारी धातु शिल्प, बीकानेरी भुजिया और सोजत मेहंदी शामिल हैं। अब सांगरी को जीआई टैग मिलने से लोगो सहित राजस्थान के कुल 17 उत्पाद जीआई टैग में शामिल हो गए हैं।

पंजाब में शिक्षा क्रांति, आप के नेतृत्व में सरकारी स्कूलों के शानदार नतीजे: मान

मुख्य मंत्री ने अपने सरकारी निवास स्थान पर 10वीं और 12वीं कक्षा के अव्वल विद्यार्थियों का किया सम्मान

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में 10वीं और 12वीं कक्षा के शानदार नतीजे दशार्ते हैं कि राज्य 'रंगला पंजाब' बनने की ओर बढ़ रहा है, जिसमें नौजवान निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यहां अपने सरकारी निवास पर 10वीं और 12वीं कक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में पहले ही क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं, जिससे मनचाहे नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों की पास प्रतिशतता 96.09 फीसदी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहरी स्कूलों में भी पास प्रतिशतता लगभग 94% रही है जो कि बेमिसाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि राज्य के कुल 3840 हाई सेकेंडरी स्कूलों में से लगभग 1000 स्कूलों का नतीजा 100 फीसदी रहा है। उन्होंने कहा कि यह नया पंजाब है क्योंकि पड़ोसी राज्य हरियाणा के 12 स्कूलों के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में बुरी तरह फेल हुए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में शिक्षा क्रांति का ऐसा प्रभाव है कि बोर्ड परीक्षाओं में ज्यादातर टॉपर छोटे और दूर-दराज के गांवों से हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले 26 विद्यार्थी उभरते खिलाड़ी भी हैं, जो शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नतीजे में विद्यार्थियों में सख्त मुकाबला देखने को मिला है क्योंकि तीन विद्यार्थियों ने बराबर अंक प्राप्त किए हैं और अमृतसर जिला सबसे बेहतर नतीजे के साथ नेतृत्व कर रहा है। इन होशियार विद्यार्थियों के माता-पिता और अध्यापकों का धन्यवाद करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि अध्यापक पर्दे के पीछे के नायक हैं जिनकी सख्त मेहनत, लगन और सफलता उनकी शानदार उपलब्धियों के माध्यम से सिद्ध होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नतीजों में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पंजाब के हर कोने में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की रोशनी फैलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे ठोस प्रयासों का नतीजा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे बड़े प्रयासों से लड़कियों को बहुत लाभ मिला है जिससे उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले इन होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब एक अग्रणी राज्य था और यह हमेशा अग्रणी रहेगा क्योंकि पंजाबियों को कड़ी मेहनत करने का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपना कर्तव्य बहुत जिम्मेदारी और उत्साह के साथ निभा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे अगले चुनावों के लिए चिंतित नहीं हैं बल्कि वे अगली पीढ़ी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं, जिसके कारण कई बड़ी पहलें की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब दुनिया भर में एकमात्र ऐसा राज्य है जिसकी पूरी दुनिया में फ्रेंचाइजी है क्योंकि हर दूसरे देश में पंजाबियों का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि पंजाबियों को कड़ी मेहनत करने और सफलता प्राप्त करने का भी आशीर्वाद प्राप्त है जिसके कारण उन्होंने दुनिया में अपने लिए एक अलग स्थान बनाया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि बोइंग में 45 फीसदी इंजीनियर जी.एन.ई., लुधियाना से हैं। उन्होंने कहा कि फ्लिपकार्ट, ओला, मास्टरकार्ड और अन्य के सीईओ भी पंजाबी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नौजवानों को हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के गुण विरासत में मिले हैं और उनकी क्षमता का सार्थक उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी और नौजवान जहाज की तरह हैं और राज्य सरकार उन्हें सपनों की उड़ान भरने के लिए ह्यलॉन्चपैडह्ल (उपयुक्त मंच) प्रदान करेगी। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे तब तक आराम नहीं करेंगे, जब तक पंजाब के नौजवान अपने सपने साकार नहीं कर लेते।

मुख्यमंत्री ने नौजवानों को जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त करने के बाद भी जमीन पर टिके रहने और कड़ी मेहनत में विश्वास रखने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यही सफलता की एकमात्र कुंजी है। उन्होंने नौजवानों को राज्य में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि इस धरती पर तरक्की और खुशहाली की बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के विकास और लोगों की खुशहाली को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नशीली दवाओं की समस्या पिछली सरकारों से विरासत में मिली बुरी लत है। इस समस्या ने पंजाब की तरक्की नहीं होने दी, जिसके कारण हालात बदतर हो गए थे। नशीली दवाओं के विरुद्ध जंग में विद्यार्थियों के पूर्ण सहयोग की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं का अभिशाप राज्य के माथे पर कलंक है और हम सभी को एकजुट होकर इसे मिटाना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने ह्ययुद्ध नशों विरुद्ध ह्ल मुहिम शुरू की है, जिसका उद्देश्य राज्य से नशीली दवाओं का सफाया करना है।

अंतरराष्ट्रीय नारको तस्करी गिरोह का पदार्फाश, 3 काबू

संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर शुरू की गई नशा विरोधी अभियान ह्ययुद्ध नशों विरुद्धह्ल के दौरान, सीमा पार नशा तस्करी पर ठोस प्रहार करते हुए, कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने अंतरराष्ट्रीय नारको तस्करी गिरोह के तीन गुर्गों को 10.2 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर उसका पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की पहचान आकाशदीप सिंह (22) और आकाश उर्फ मोटा (19), दोनों निवासी चीमा कलां, तरनतारन और संदीप सिंह (30), निवासी कोटली वसावां सिंह, तरनतारन के रूप में हुई है। हेरोइन की बरामदगी के अलावा, पुलिस टीमों ने उनकी दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं जिनका प्रयोग हेरोइन की डिलीवरी के लिए किया जा रहा था।

डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी आकाशदीप सिंह और संदीप सिंह पिछले 6 सालों से पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तानी तस्कर सरहद पार हेरोइन की खेप पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे थे और इस खेप को आगे बेचने के लिए विभिन्न स्थानों पर डिलीवर किया जाता था। डीजीपी ने बताया कि इस नेटवर्क में अगले पिछले संबंधों का पता लगाने के लिये और जांच जारी है। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए, कमिश्नर ऑफ पुलिस अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि भरोसेमंद सूत्रों पर कार्रवाई करते हुए, डीसीपी डिटेक्टिव रविंदरपाल सिंह, एडीसीपी डिटेक्टिव जगबिंदर सिंह और एसीपी डिटेक्टिव हरमिंदर सिंह संधू की निगरानी में, और इंस्पेक्टर सीआईए स्टाफ-1 अमोलकदीप सिंह की अगुवाई में एक टीम ने आरोपी आकाशदीप सिंह और आकाश उर्फ मोटा को गुरुद्वारा बोहड़ी साहिब रोड से 1.01 किलोग्राम हेरोइन और एक मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से की गई पूछताछ के आधार पर, पुलिस टीमों ने उनके साथी संदीप सिंह को झबाल रोड से 9.2 किलोग्राम हेरोइन और मोटरसाइकिल समेत पकड़ लिया है। सीपी ने बताया कि संदीप 2018-19 से हेरोइन की सप्लाई कर रहा था और शक है कि उसने अब तक 200 किलोग्राम से अधिक हेरोइन तस्करी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों से पूछताछ कर और उनके पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां होने की संभावना है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 127 दिनांक 16-05-2025 को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21-सी, 23 और 29 के तहत अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में दर्ज की गई है।

जालंधर पुलिस ने तीन को हेरोइन और अवैध हथियारों के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता
जालंधर

युद्ध नशे के विरुद्ध पहल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, कमिश्नरेट जालंधर के सी.आई.ए. स्टाफ ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और चार अवैध पिस्तौल (32 बोर), आठ जिंदा कारतूस और 150 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है।

पुलिस कमिश्नर श्रीमती धनप्रीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई, 2025 को सीआईए की टीम मकसूदां चौक से बिधिपुर, जालंधर तक के क्षेत्र में नियमित गश्त कर रही थी। इस अभियान के दौरान सुरानस्सी गेट के पास टीम को दो संदिग्ध व्यक्ति नजर आए और उनकी तलाशी ली गई। पहले संदिग्ध की पहचान हरजिंदर सिंह उर्फ मनी वालिया, पुत्र पियारा सिंह, निवासी हाउस नंबर 8, शहीद उधम सिंह नगर, जालंधर के तौर पर हुई है, जिसके पास से 100 ग्राम हेरोइन, एक .32 बोर पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। दूसरे आरोपी मोहित उर्फ लवली पुत्र इकबाल सिंह निवासी हाउस नंबर 21 शिव नगर सोढल रोड जालंधर से 50 ग्राम हेरोइन, एक .32 बोर पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। परिणामस्वरूप, एफआईआर नंबर 79 ,एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21, 61 और 85 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25-1 (बी), 54 और 59 के तहत पुलिस स्टेशन डिवीजन नंबर 1 जालंधर में दर्ज की गई।

एक अलग ऑपरेशन में, चुगिट्टी के पास गश्त के दौरान सीआईए की एक अन्य टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति यूनियन बैंक के पीछे एक बगीचे में कथित तौर पर अवैध हथियार लेकर जा रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आकाशदीप उर्फ कालू पुत्र जूनास निवासी मकान नंबर इ 1262, लंबा पिंड चौक, जालंधर को गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से दो .32 बोर की पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। कार्रवाई करते हुए, शस्त्र अधिनियम की धारा 25-1(बी), 54 और 59 के तहत पुलिस स्टेशन रामा मंडी, जालंधर में एफआईआर नंबर 136 दर्ज की गई।

उन्होंने आगे बताया कि तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनका आपराधिक गतिविधियों में पुराना इतिहास रहा है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और कई अन्य आपराधिक धाराओं के तहत कुल सात एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस कमिश्नर जालंधर ने कहा, ह्ये गिरफ्तारियां कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति जालंधर पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।ह्र ह्रसीआईए स्टाफ ने एक बार फिर नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों के कब्जे से निपटने में अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।ह्र जालंधर पुलिस अपराध के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराती है और जनता को आश्वासन देती है कि शहर में असामाजिक तत्वों के खिलाफ मजबूत और निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

भगवंत मान को सीचेवाल आने का निमंत्रण

संवाददाता
जालंधर

संत सुखजीत सिंह के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

श्रीमान संत अवतार सिंह जी की मनाई जा रही 37वीं वार्षिक बरसी के अवसर पर निर्मल कुटिया सीचेवाल में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान को निमंत्रण पत्र सौंपा गया है। संत सुखजीत सिंह ने बातचीत के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान ने निमंत्रण पत्र स्वीकार करते हुए निर्मल कुटिया सीचेवाल आने का भरोसा दिलाया है।

संत सुखजीत सिंह के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को निमंत्रण पत्र सौंपते हुए बताया कि संत अवतार सिंह जी की वार्षिक बरसी के कार्यक्रमों के दौरान राज्यसभा सांसद और पर्यावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल जी के मार्गदर्शन में बच्चों को गुरबाणी से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर जहां गुरमत समागम करवाया जाएगा, वहीं हाकी, कुश्ती, कबड्डी, गतका और वॉलीबॉल जैसे खेल मुकाबले भी आयोजित किए जाएंगे।

संत सुखजीत सिंह ने मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान को बताया कि 27 मई को बरसी का मुख्य समागम होगा, जिसमें संत समाज के अगुवाओं के अलावा पर्यावरण प्रेमी और अन्य बुद्धिजीवी भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में हरदेव सिंह दौधर, मनोहर सिंह और दया सिंह उचेचे सहित अन्य सदस्य भी शामिल थे।

ऑपरेशन सील-13: नशा तस्करों और शराब की तस्करी करने वालों पर कड़ी नजर रखने के लिए 92 एंट्री/एग्जिट पॉइंट्स किये सील

संवाददाता
चंडीगढ़

- युद्ध नशों विरूद्ध 78वें दिन 136 नशा तस्करों को 11.3 किलोग्राम हेरोइन और 3.48 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित किया गिरफ्तार
- पुलिस टीमों ने ऑपरेशन सील के अंतर्गत ह्यराज्य में प्रवेश/निकास करने वाले 4244 वाहनों की जांच की; 511 के किये चालान, 39 वाहन जब्त

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार, पंजाब पुलिस ने नशे के पूरी तरह खत्म करने के मिशन युद्ध नशों विरूद्ध के 78वें दिन, रविवार को एक विशेष ऑपरेशन ह्यऑपरेशन सील-13ह्ल चलाया, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती राज्य पंजाब में प्रवेश करने या बाहर जाने वाले सभी वाहनों की बारीकी से जांच करना था ताकि नशीले पदार्थों और शराब की तस्करी पर कड़ी नजर रखी जा सके।

डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शानुसार, सभी जिलों में चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान, सीमावर्ती जिलों के सभी एसएसपी को अपने-अपने जिलों के संवेदनशील और संदिग्ध स्थानों पर संयुक्त नाके लगाने और गजटेड अधिकारियों/एसएचओज की निगरानी में सीलिंग पॉइंट्स पर मजबूत नाके स्थापित करने के लिए अधिकतम पुलिस कर्मी तैनात करने के निर्देश दिए गए थे।

अधिक जानकारी साझा करते हुए, विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने कहा कि 10 जिलों, जिनकी सीमाएं यूटी चंडीगढ़ समेत 4 राज्यों के साथ साझा हैं, के लगभग 92 प्रवेश/निकासी पॉइंट्स पर इंस्पेक्टरों/डीएसपीज की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की तैनाती और समन्वित मजबूत नाकेबंदी की गई थी। इन जिलों में पठानकोट, श्री मुक्तसर साहिब, फाजिल्का, रूपनगर, एसएएस नगर, पटियाला, संगरूर, मानसा, होशियारपुर और बठिंडा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रवेश करने/बाहर जाने वाले 4244 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 511 के चालान किए गए और 39 को कार्रवाई के दौरान जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त, पुलिस टीमों द्वारा नशीले पदार्थों के खिलाफ अपनी घेरेबंदी और तलाशी अभियान (कासो) जारी है, जिसके तहत रविवार को 490 स्थानों पर छापेमारी की गई और राज्य भर में 109 एफ.आई.आर. दर्ज करने के बाद 136 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके अभियान के 78 दिनों में कुल गिरफ्तार नशा तस्करों की संख्या अब 11,860 हो गई है।

स्पेशल डीजीपी ने कहा कि छापेमारी के परिणामस्वरूप गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे में से 11.3 किलोग्राम हेरोइन और 3.48 लाख रुपये का ड्रग मनी बरामद की गयी है। 95 गजटिड अधिकारियों की निगरानी में 1400 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की तैनाती और 200 से अधिक पुलिस टीमों की भागीदारी में राज्य भर में छापेमारी की गई, और दिन भर इस अभियान के दौरान 532 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने एक व्यापक रणनीति तैयार की है और ऐसे ऑपरेशन पूरे राज्य से नशे के पूर्ण उन्मूलन तक जारी रहेंगे।

हरजोत सिंह बैंस द्वारा पत्रकार की माता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त

चंडीगढ़। पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने वरिष्ठ पत्रकार तरलोचन सिंह की माता सुरजीत कौर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। माता सुरजीत कौर (90) का आज सुबह निधन हो गया। उनके परिवार में दो पुत्र और दो बेटियां हैं। अपने शोक संदेश में स. हरजोत सिंह बैंस ने बच्चों के जीवन को आकार देने और संवारने में मां के प्यार, ताकत और बुद्धिमता के गहरे प्रभाव को उजागर किया। दुखी परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना जाहिर करते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वह इस दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में शांति प्रदान करे और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

जालंधर में लोगों ने नशा मुक्त समाज के लिए प्रण लिया, 'युद्ध नशे के विरुद्ध' के तहत जिले के हर कोने तक पहुंचेगा नशा मुक्ति अभियान

कैबिनेट मंत्री ने वार्ड डिफेंस समितियों से नशे के खिलाफ मजबूती से काम करने का आह्वान किया

संवाददाता
जालंधर

पंजाब सरकार की नशे के खिलाफ मुहिम 'युद्ध नशे के विरुद्ध 'के तहत पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर सिंह ने आज वार्ड नंबर 42, 43 और 44 में वार्ड डिफेंस कमेटियों के साथ मीटिंग करते हुए उन्हें नशे के खिलाफ डटकर काम करने और नशा मुक्ति का संदेश घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।

कैबिनेट मंत्री, जिनके साथ जिला योजना समिति के अध्यक्ष अमृतपाल सिंह भी थे, ने कहा कि राज्य से नशों के उन्मूलन के लिए पंजाब सरकार नशा तस्करों पर नकेल कसने और नशा करने वालों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 86 नशा तस्करों की अवैध सम्पत्तियों को ध्वस्त करने के अलावा मुठभेड़ के माध्यम से 75 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

श्री भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पंजाब में ह्यनशा मुक्ति यात्राह्ल की ऐतिहासिक शुरूआत की गई है, जिसके माध्यम से 15 हजार से अधिक गांवों और वार्डों में जन जागरूकता का संदेश पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 351 गांवों में ग्राम सभाओं और लोगों की भागीदारी से यह आंदोलन और मजबूत होगा।

उन्होंने वार्ड डिफेंस समिति के सदस्यों को सतर्क रहने तथा वार्डों की निगरानी करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी नशा तस्कर उनके वार्ड में यह काला कारोबार न कर सके। उन्होंने कहा कि यदि वार्ड में कोई भी व्यक्ति नशा बेचता या तस्करी करता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए।

कैबिनेट मंत्री ने समिति के सदस्यों को उन लोगों की मदद करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जो नशा छोड़कर सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों के साथ दयालुता से पेश आना चाहिए तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने समाज के हर वर्ग से नशे के खिलाफ इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहा कि जल्द ही हम इस लड़ाई में विजयी होंगे और पंजाब को नशा मुक्त और रंगला पंजाब बनाएंगे।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने नशा मुक्ति शपथ भी दिलाई, जिसमें हजारों लोगों ने नशा न करने, नशा न करने देने, नशा बेचने वालों और नशा तस्करों की मदद करने वालों का विरोध करने तथा पंजाब को पुनः रोशन, सुरक्षित और नशा मुक्त बनाने की शपथ ली।

प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। एसएचओ हरदेव सिंह ने बताया कि पंजाब सरकार के निर्देश पर पुलिस विभाग नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोग नशे से संबंधित किसी भी प्रकार की गतिविधि की सूचना पंजाब सरकार द्वारा जारी किए गए व्हाट्सएप नंबर 9779-100-200 पर दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

डा. हरिंदर सिंह ने नशे के आदी लोगों के इलाज और पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संबंध में किसी भी तरह की मदद के लिए जिला नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर 0181-2911969 पर संपर्क किया जा सकता है।

इस अवसर पर पार्षद रोमी वधवा, सुनीता टिक्का व राज कुमार राजू, नशा मुक्ति यात्रा प्रभारी कमल लोच आदि भी उपस्थित थे।

अबूझमाड़ अब नहीं रहेगा अबूझ : साय

आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए किया जा रहा काम

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास तथा नक्सलवाद के खात्मे के बाद अबूझमाड़ अब अबूझ नहीं रहेगा। यहां भी ग्रामीणों के विकास के साथ-साथ रहवासी क्षेत्रों में अधोसंरचात्मक तथा मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था से पर्यटन का विकास होगा और क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे।

गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा, ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जहां एक ओर ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का शत-प्रतिशत विकास किया जा रहा है, वहीं राज्य सरकार की महत्वकांक्षी नियद नेल्लानार योजना सहित शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हो रहे विकास के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे की ओर आगे भी बढ़ रहे हैं। इससे अब अबूझमाड़ में भी विकास का नया सवेरा होगा। लोग खुली हवा में निडरतापूर्वक सांस ले सकेंगे। वहां भी चमचमाती सड़कों का जाल बिछने लगा है। उल्लेखनीय है कि बस्तर क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ का एक पिछड़ा और आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जो विकास की दृष्टि से अभी भी उपेक्षित है। इस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार ने पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

❍ क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार ने पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय जन विकास मिशन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के साथ ही आदिवासी समुदायों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। अबूझमाड़ में भी आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। वहीं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए काम किया जा रहा है। इस अभियान से गांवों में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, और बिजली की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

इसमें पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आजीविका के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, गांवों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है।

प्रदेश के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जिले में नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें इन जिलों के कुल 8 विकासखंडो में 23 सुरक्षा कैंपों के आसपास के 90 ग्रामों का विकास किया जा रहा है। नियद नेल्लानार से तात्पर्य ह्लआपका आदर्श ग्रामह्व है अर्थात्ऐसा ग्राम जहां पर निवासरत जनसंख्या को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं और अब वह अन्य क्षेत्रों की तरह विकास के पथ पर आगे बढ़ने को अग्रसर है। पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्ला नार योजना से जनजातीय इलाकों में की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित उक्त योजनाओं से बस्तर के अबूझमाड़ में तेजी से बुनियादी सुविधाएं विकसित होने लगी है। अबूझमाड़ में एक ओर जहां चमचमाती सड़कों की जाल बिछाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं विद्युत जैसी बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से मुहैया भी कराई जा रही है। अब वह दिन दूर नहीं कि जब अबूझमाड़ लोगों के लिए अबूझ नहीं रहेगा। अब अबूझमाड़ में विकास का नया सूरज उग रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयासों से जनजातीय इलाकों की स्थिति और वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों की बदौलत छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी है।

छत्तीसगढ़ की जैव विविधता और ऐतिहासिक धरोहर बेमिसाल हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर भी जल्दी ही पर्यटन के लिए पूरी तरह खुल जाएगा। यह हिंदुस्तान का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सकता है। छत्तीसगढ़ के जंगल बेहद मोहक हैं। यहां से बेहतर जंगल और कहीं नहीं हैं। राज्य में हर तरह की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। पर्यटन के विकास में इसका बहुत लाभ मिलेगा।

कर्मयोगी हैं प्रदेश के कर्मचारी, उनकी कर्तव्य निष्ठा से ही देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है मप्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

❍ मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग को किया स्वीकृत

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं। कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है। कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल के रवींद्र भवन में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ.यादव का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव को वृहद आकार की मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मां सरस्वती और पूर्व वरिष्ठ श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नेपाल एसीबी ने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को भेजा समन

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल की एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से कथित जमीन घोटाले में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को समन भेजा गया है। नेपाल सरकार द्वारा आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थान बनाने के लिए पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को सरकारी जमीन दी गई थी। इस जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से भी पूछताछ की जा चुकी है।

नेपाल के कंपनी रजिस्ट्रार के दफ्तर में पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल दोनों ही कंपनियों को गैर नाफामुलक कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया है। इन दोनों ही कंपनियों में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण संचालक समिति में हैं जबकि नेपाल की तरफ से शालीग्राम सिंह संचालक समिति में हैं। ब्यूरो के तरफ से प्रवक्ता राजेन्द्र पौडेल ने बताया कि संचालक समिति में होने के कारण रामदेव और बालकृष्ण को समन भेजा गया था लेकिन उनकी तरफ से जून के आखिरी सप्ताह में यह जवाब आया कि नेपाल में हुई सभी खरीद-बिक्री के लिए स्थानीय प्रतिनिधि शालिग्राम सिंह जवाबदेह हैं इसलिए कानूनी रूप से उनसे ही पूछताछ की जाए। नेपाल सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के साथ पतंजलि योगपीठ नेपाल और पतंजलि ट्रस्ट नेपाल को जमीन हदबंदी की छूट देते हुए जमीन का आवंटन किया था। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आयुर्वेद शोध संस्थान, योग महाविद्यालय तथा अन्य प्रयोजन के लिए बनेपा जिले में में 61 बीघा, दांग जिले में 75 बीघा, 22 बीघा, स्यांगजा जिले में 18 बीघा, चितवन में 15 बीघा, जनकपुर में 25 बीघा, बारा और परसा जिले में 50 बीघा और काठमांडू में 11 बीघा जमीन पतंजलि योगपीठ और पतंजलि ट्रस्ट ने अपने नाम पर खरीदा।

कोलंबिया ने चीन-नीत ब्रिक्स बैंक में शामिल होने के लिए आवेदन किया

शंघाई/बोगोटा। कोलंबिया ने चीन के नेतृत्व में संचालित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। यह कदम लैटिन अमेरिकी देशों की बदलती विदेश नीति की दिशा की ओर संकेत करता है, जिसमें वे अब पारंपरिक अमेरिकी प्रभाव से हटकर चीन जैसे उभरते वैश्विक शक्ति केंद्रों की ओर रुख कर रहे हैं। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हाल ही में अपने चीन दौरे के दौरान शंघाई में ब्राज़ील की पूर्व राष्ट्रपति और एनडीबी की प्रमुख दिल्मा रूसेफ से मुलाकात की थी। पेट्रो ने घोषणा की कि उनका देश इस बहुपक्षीय विकास बैंक में 512 मिलियन अमेरिकी डॉलर के शेयर खरीदेगा। राष्ट्रपति पेट्रो ने विशेष रूप से उस 120 किलोमीटर लंबे नहर या रेलवे परियोजना का ज़िक्र किया जो कोलंबिया के अटलांटिक और प्रशांत महासागर के तटों को जोड़ने के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने इसे दक्षिण अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के लिहाज से रणनीतिक कड़ी बताया और आशा जताई कि एनडीबी से इस परियोजना को वित्तीय सहयोग मिलेगा।

रूस ने यूक्रेन पर दागे 273 ड्रोन, अबतक का सबसे बड़ा हमला

एजेंसी (हि.स.)
कीव

फोटोः हि.स.

शांति वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद रूस ने यूक्रेन पर जबरदस्त ड्रोन हमला कर दिया। हमले में कम से कम एक नागरिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, यह हमला अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। यह हमला यूक्रेन और रूस के बीच 2022 के बाद पहली सीधी वार्ता के दो दिनों बाद और डोनाल्ड ट्रम्प-व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर होने वाली बातचीत से एक दिन पहले हुआ है। इसी साल 23 फरवरी को यूक्रेन पर रूस ने युद्ध की तीसरी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर 267 ड्रोन दागे थे।

यूक्रेन की वायु सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि रूस ने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8 बजे 273 ड्रोन दागे, जिनका लक्ष्य मुख्य रूप से कीव क्षेत्र और देश के पूर्व में निप्रोपेट्रोव्स्क और डोनेट्स्क क्षेत्र थे। हमले में राजधानी क्षेत्र में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई और चार साल के बच्चे सहित कुछ लोग घायल हो गए।

वायुसेना के अनुसार कुल 273 ड्रोन दागे गए, जिनमें से 88 को मार गिराया गया, जबकि 128 ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक के कारण निष्क्रिय हो गए। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाश्निक ने कहा कि हमले से आधारभूत संरचना को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। यूक्रेन सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस बीच हमले की तीव्रता और रणनीति देखकर विशेषज्ञों का मानना है कि रूस अब यूक्रेन पर साइबर और ड्रोन अटैक एक साथ करके दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यह हमला रूस की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसमें वह कूटनीतिक वार्ता के साथ-साथ सैन्य दबाव बनाए रखने की नीति अपना रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

मैक्सिकन नौसेना का जहाज ब्रिज से टकराया, दो की मौत, 19 घायल

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क में बड़ा हादसा हो गया। मेक्सिन नौ सेना का ट्रेनिंग जहाज ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। न्यूयार्क सटी के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत होने और 19 लोगों घायल होने की खबर है घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है। न्यूयार्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक हादसा शनिवार की देर शाम को हुआ। हादसे के तुरंत बाद ही रेस्क्यू आपरेशन शुरू कर दिया गया। सभी घायलों को तुरंत ही अस्पताल में दाखिल कराया गया। हादसे के पीछे कारण क्या रहे, इसके बारे में अभी जांच की जा रही है। यह नौसेना का जहाज नौसैनिक कैडेटों को ट्रेनिंग देने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट भी शामिल थे।

व्हाइट हाउस में लश्कर के संदिग्ध आतंकी की एंट्री, बनाया गया बोर्ड सदस्य

वाशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस में एक ऐसे व्यक्ति की तैनाती हो गई है, जो कि लश्कर का संदिग्ध आतंकवादी रहा है। व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स में इस संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादी को शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों ने जहां भारत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय जगत में चिंता पैदा कर दी है, वहीं दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन से खासे खफा हैं। दरअसल अमेरिका प्रशासन ने बीते व्हाइट हाउस की एडवाइजरी बोर्ड आफ ले लीडर्स का गठन किया। इसमें इस्माइल रायर और मुस्लिम स्कालर शेख हमजा यूसूफ को भी नामित किया गया। कथित तौर पर इस्माइल रायर के इस्लामी जिहादियों से संबंध रहे हैं। दावा है कि इस्माइल रायर पहले रेंडेल रायर के नाम से जाना जाता था। कथित तौर पर इसके संबंध पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से रहे हैं। आरोप है कि रायर ने वर्ष 2000 में पाकिस्तान में हुए लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर में भाग लिया था और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भी शामिल रहा है। दूसरे नामित सदस्य शेख हमजा यूसूफ मुस्लिम स्कालर होने के साथ ही जायतूना कालेज के सह संस्थापक हैं। उन पर भी कथित तौर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों से संबंध रखने के आरोप हैं। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता लारा लूमर ने इस्माइल रायर की तैनाती पर खासी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इसे अमेरिकी प्रशासन का एक आत्मघाती कदम बताते हु कहा इस्माइल रायर लश्कर ए तैयबा के आतंकी कैंप में ट्रेनिग ले चुका है। उसने कश्मीर में भारतीय ठिकानों पर फायरिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। अमेरिका की अदालत ने भी 2004 में रायर को आतंकवादी गतिविधियों के लिए दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। इसमें उसने 13 साल जेल में बिताए हैं। रायर ने वर्ष 2003 में मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि मुझे लश्कर के लोग पसंद आए। यह एक चरमपंथी समूह नहीं हैं।

अयोध्या विकास प्राधिकरण में शामिल होंगे आस-पास के जिलों के 189 गांव

अयोध्या। अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकसित करने के लिए महत्वाकांक्षी अयोध्या मास्टर प्लान 2031 को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने शहर के योजनाबद्ध विकास के लिए फेज-2 के तहत मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसमें 873 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को शामिल किया गया है। इस विस्तारित क्षेत्र में अयोध्या नगर निगम, नगर पंचायत भदरसा, नगर पालिका परिषद नवाबगंज (गोंडा) अयोध्या जिले के 154 गांव, बस्ती जिले के 126 गांव और गोंडा जिले के 63 गांव समेत कुल 343 गांव शामिल हैं। इस मास्टर प्लान का उद्देश्य अयोध्या में प्राप्त हो रहे निवेश को धरातल पर उतारना और शहर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करना है। अमृत योजना के तहत पहले फेज-1 में अयोध्या नगर निगम और इसके समीप के 65 गांवों को मिलाकर 133 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार किया गया था, जिसे योगी सरकार ने अनुमोदित किया। यह योजना लगभग 11 लाख जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। अब विस्तारित मास्टर प्लान 2031 में फेज -2 के तहत अयोध्या के आसपास के जिलों के 189 गांवों को शामिल कर क्षेत्र को 873 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाया गया है। प्राधिकरण ने अयोध्या को आधुनिक सुविधाओं से युक्त पर्यटन नगरी बनाने का खाका खींचा है। इसमें विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा, बेहतर कनेक्टिविटी, होटल, रिसॉर्ट, और सांस्कृतिक केंद्रों का विकास शामिल है।

केंद्र ने समाप्त की ममता कार्ड की बाध्यता

झुंझुनू। गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के टीकाकरण की प्रक्रिया अब और भी आसान हो गई है। केंद्र सरकार ने ममता कार्ड की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। अब देश के किसी भी कोने में टीकाकरण कराने के लिए यू-विन ऐप का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह ऐप न केवल टीकाकरण संबंधी पूरी जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध कराएगा बल्कि समय पर टीका नहीं लगने पर अलर्ट भी जारी करेगा। कोरोना काल में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किए गए कोविन पोर्टल को ही अब यू-विन पोर्टल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। झुंझुनू जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अब तक लाभार्थियों को टीकाकरण के लिए ममता कार्ड साथ रखना अनिवार्य था लेकिन अब यह बाध्यता समाप्त कर दी गई है। अब केवल आधार नंबर और मोबाइल नंबर के आधार पर ही टीकाकरण की पूरी जानकारी यू-विन ऐप पर आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। यू-विन ऐप लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित होगा। यह ऐप यह जानकारी देगा कि बच्चे या गर्भवती महिला को कब, कहां और कौन सा टीका लगाया गया है। इसके साथ ही, कितने टीके अभी लगने बाकी हैं, इसकी जानकारी भी ऐप पर उपलब्ध रहेगी। इस ऐप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यदि लाभार्थी किसी कारणवश अपना स्थान परिवर्तित करते हैं, तो भी उनके टीकाकरण में कोई बाधा नहीं आएगी। यदि कोई लाभार्थी अपने मूल स्थान से बाहर है, तो संबंधित ब्लॉक के अधिकारी परिजनों से संपर्क कर उन्हें नए स्थान पर टीका लगवाने में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। इस पहल से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रहे। चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, हर वर्ष बड़ी संख्या में बच्चे टीकाकरण से छूट जाते हैं। जिनकी पहचान करना और उन्हें ढूंढना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है।

राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

फोटोः हि.स.

उप्र राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष संजय शुक्ला और महामंत्री नंद किशोर सिंह के नेतृत्व में रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया।

प्रतिनिधि मंडल में लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष राकेश यादव, आगरा विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश चौधरी, कानपुर विश्वविद्यालय के महामंत्री अभिषेक त्रिवेदी एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महामंत्री रमेश चंद यादव शामिल थे। उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ पदाधिकारियों ने वार्ता के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की समस्याओं की तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकृष्ट कराया। इस दौरान पदाधिकारियों ने वर्ष 2012 से लंबित अवकाश नगदीकरण, राज्य कर्मचारियों की भांति विश्वविद्यालयों के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, 31 दिसम्बर 2001 से पूर्व विश्वविद्यालय में दैनिक वेतन वर्कचार्ज एवं संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों के विनियमितीकरण, दैनिक वेतन व नियत वेतन में कार्यरत कर्मचारियों को वेतनमान, सभी विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को एक समान वेतन भत्ता और प्रोन्नति का लाभ के साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित नए राज्य विश्वविद्यालयों में नियमित पदों का सृजन तथा उस पर नियमित नियुक्ति किए जाने की मांग की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महासंघ के शपथ ग्रहण समारोह में आने का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रदेश में बहुत सारी ऐसी योजनाएं संचालित है जिनका लाभ विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अवकाश नगदी करण, विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सा योजना में सम्मिलित करने एवं नवनिर्मित राज्य विश्वविद्यालय में नियमित पदों के सृजन तथा उस पर भर्ती की कार्यवाही करने के साथ ही विश्वविद्यालय में संविदा और दैनिक वेतन पर कार्यरत कर्मचारियों के भविष्य के सुरक्षा के लिए सरकार निर्णायक कदम उठाएगी।

शादी में हुई हर्ष फायरिंग से चार घायल, तीन की हालत नाजुक

जालौन। जालौन के सिरसा कलार थाना क्षेत्र के नियामतपुर गांव में एक शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में चार लोग घायल हो गए। घटना दृश्या गेस्ट हाउस में हुई, जहां महेंद्र पाल सिंह चौहान की पुत्री की शादी थी। रात करीब 1 बजे लग्न समारोह के दौरान एक रिश्तेदार डैनी ने हर्ष फायरिंग की। दोनाली बंदूक में कारतूस फंस गया। कारतूस निकालने की कोशिश में अचानक गोली चल गई। छर्रे चार लोगों को लग गए। घायलों में वीरन सिंह (50), रामशरण सिंह (55), सोनेलाल (60) और लखन सिंह (45) शामिल हैं। सभी के हाथ-पैर में छर्रे लगे हैं। वीरन सिंह, रामशरण सिंह और लखन सिंह की हालत गंभीर होने पर उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद समारोह में अफरा-तफरी मच गई। रिश्तेदारी के कारण शुरूआत में पुलिस को सूचना नहीं दी गई। स्थानीय चिकित्सकों के इलाज से मना करने पर पुलिस को जानकारी दी गई। नियामतपुर चौकी इंचार्ज शिवम सिंह और थाना प्रभारी राजीव वैस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, तीन कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सोमवार 19 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा इस सप्ताह तीन कंपनियां लिस्टिंग के जरिए शेयर बाजार में अपने कारोबार की शुरूआत करने वाली हैं। लिस्ट होने वाली ये तीनों कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह 20 मई को बोराना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 200 रुपये से 216 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 23 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 27 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी।

इसी दिन विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का 40.66 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 23 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 27 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 28 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

चीन की विमान कंपनियों ने नेपाल का कानून मानने से किया इनकार, सरकार को नहीं देतीं टैक्स

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

चीन की विमान कंपनियां नेपाल के नियम कानून को नहीं मानती हैं। नेपाल आने वाले सभी विमानों की कंपनियां यहां की सरकार को टैक्स देती हैं, लेकिन चीन की कोई भी एयरलाइंस नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देती हैं। नेपाल के ऑडिटर जनरल ने बीते दिनों अपनी वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक की है। इसमें नेपाल में उड़ान भरने वाले चार चीनी एयरलाइंस कंपनियों के द्वारा सरकार के तरफ से निर्धारित टैक्स को नहीं देने पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार को सौंपी गई इस रिपोर्ट के मुताबिक एयर चाइना, साउदर्न चाइना एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुवान एयरलाइंस ने नेपाल सरकार के द्वारा निर्धारित टैक्स नहीं दिया है।

ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि इन चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों से अन्य विदेशी एयरलाइंस की तरह टैक्स वसूला जाए। इसके मुताबिक दिसंबर 2024 तक इन चार चीनी एयरलाइंस कंपनी ने नेपाल सरकार को टैक्स नहीं देने से करीब 400 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। उन्होंने नेपाल सरकार को जल्द से जल्द टैक्स लेने अन्यथा इन विमान कंपनियों की सेवा सुविधा को बंद करने को कहा है। वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव रहे दिनेश घिमिरे ने शनिवार को कहा कि मंत्रालय के तरफ से बार बार चारों चीनी एयरलाइंस कंपनियों को टैक्स देने को लेकर पत्राचार किया गया, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में तो चीनी राजदूत ने मंत्रालय में आकर टैक्स नहीं देने की बात की थी। चीनी राजदूत का कहना था कि चीन सरकार का नियम है विश्व में कहीं भी किसी भी एयरपोर्ट पर लैंड करने और उड़ान करने के लिए अतिरिक्त टैक्स या वैल्यू एडेड टैक्स (श्अळ) नहीं देना पड़ता है। फिर नेपाल में क्यों दिया जाए।

त्रिभुवन पटेल यूनिवर्सिटी के रूप में प्रथम सहकारी यूनिवर्सिटी की सौगात मिली: सीएम भूपेन्द्र पटेल

❍ राज्य में 89 हजार से अधिक सहकारी संस्थाएं, जिनके लगभग 1.70 करोड़ सदस्य सहकारी ढांचे से जुड़े हैं

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

फोटोः हि.स.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में गुजरात राज्य सहकारी संघ द्वारा सहकारी महासम्मेलन-2025 का आयोजन रविवार को अहमदाबाद के सोला स्थित साइंस सिटी में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेना से लेकर सहकारिता तक छोटे से छोटे लोगों को साथ रखकर चलने की परंपरा शुरू की है। उनके नेतृत्व में एक अलग सहकारिता मंत्रालय शुरू किया गया है।

उन्होंने कहा कि कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा सलामती के साथ-साथ सहकारिता के माध्यम से अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों की चिंता भी की है। उनके नेतृत्व में सहकारिता के क्षेत्र में आमूल परिवर्तन हुआ है। राज्य में 89 हजार से अधिक सहकारी संस्थाएं के साथ लगभग 1.70 करोड़ सदस्य सहकारी ढांचे से जुड़े हैं। आजादी के 75 साल बाद देश को प्रथम सहकारी यूनिवर्सिटी की सौगात मिली है।

इस अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। सरदार पटेल जैसे अग्रणियों के नेतृत्व में गुजरात में सहकारिता की नींव रखी गई और उन्होंने राज्य के प्रत्येक किसान से ग्रामीण सहकारी समितियों के माध्यम से सहकारिता के इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने गुजरात को देश के सहकारी ढांचे में मॉडल स्टेट बनाने का भी अनुरोध किया।

गुजरात राज्य सहकारी संघ के अध्यक्ष घनश्यामभाई अमीन ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में सहकारी समितियां-पैक्स अब पारंपरिक कामकाज से आगे बढ़कर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों और पेट्रोल पंप जैसे व्यवसायों में संलग्न हो गई हैं। इसका सीधा लाभ समितियों के सदस्यों और किसानों को मिला है।

आईसीए (एशिया-पेसिफिक) के चेयरमैन चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि जब से देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन हुआ है, तब से सहकारी संस्थाओं को नई ताकत और दिशा मिली है। जिससे लोगों का सहकारी क्षेत्र में विश्वास भी बढ़ा है। इस अवसर पर सहकारिता क्षेत्र की मार्गदर्शिका 'सहकार संकल्प' पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

महासम्मेलन में नेफेड के अध्यक्ष और विधानसभा के उपाध्यक्ष जेठाभाई भरवाड, जीएससी बैंक के अध्यक्ष अजयभाई पटेल, गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के अध्यक्ष शामलभाई पटेल, राज्यसभा सांसद नरहरिभाई अमीन, सहकारी अग्रणी डोलरराय कोटेचा सहित राज्य भर से आये सहकारी प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विराट कोहली को सम्मान देने पहुंचे फैंस, आसमान में भी दिखा अद्भुत नजारा

मैच के रद्द होने के चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला, केकेआर प्लेऑफ से बाहर

एजेंसी (हि.स.)

बेंगलुरु

रॉयल चैलैंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच शनिवार को मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच एक बार फिर शुरू हुआ। हालांकि तेज बारिश के कारण यह मुकाबला रद्द हो गया। मैच के रद्द होने के चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। इसके बाद केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि बेंगलुरु की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। बेंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह मैच भले ही न हो पाया हो, लेकिन होम टीम आरसीबी के फैंस अपने चहेते खिलाड़ी विराट कोहली को देखने बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस 18 नंबर की सफेद जर्सी पहने स्टेडियम में नजर आए, लेकिन

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली शनिवार को पहली बार मैदान पर उतरने वाले थे

बारिश के चलते वह अपने चहेते खिलाड़ी को खेलते हुए नहीं देख सके।

दरअसल हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली शनिवार को पहली बार मैदान पर उतरने वाले थे, इसलिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट को खास सम्मान देने के लिए फैंस सफेद जर्सी में आए थे।

आरसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विराट को बड़ी संख्या में देखने पहुंचे फैंस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चिन्नास्वामी सफेद हो गया- किंग कोहली के टेस्ट करियर को सम्मान।

फोटोः हि.स.

फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को दिल को छू लेने वाला सम्मान देने के लिए प्रशंसक न केवल बड़ी संख्या में बल्कि भावनाओं में भी दिखाई दिए, सफेद कपड़ों में लिपटे हुए- नारे लगाते हुए और विशेष बैनर के साथ, जिसने इसे खेल में एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। दुनिया के सबसे चहेते क्रिकेटर विराट कोहली की विरासत का जश्न मनाया।

आसमान में दिखा अद्भुत नजारासोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बारिश के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के ऊपर से सफेद कबूतरों का एक झुंड जाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद फैंस कह रहे हैं कि देखो ये सफेद पक्षी भी कोहली के सम्मान में स्टेडियम आए हैं। पक्षियों के झुंड की यह छलक टीम ने भी अपने वीडियो में शेयर की है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसे में उनको सम्मान देने के लिए बेंगलुरु में फैंस कोहली के नाम की सफेद यानी टेस्ट जर्सी पहनकर आए थे। विराट कोहली ने कुल 123 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। टेस्ट में विराट के नाम 30 शतक और 31 अर्धशतक हैं।

अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषी राय

विश्व पुलिश गेम्स के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम में गैबिपुर के ऋषी राय का हुआ चयन

एजेंसी (हि.स.)

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी।

प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया।

उन्होंने बताया कि आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए

फोटोः हि.स.

भारतीय पुलिस गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे।

वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया। कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं। इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है। भर्ती के पश्चात भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी (असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस. एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अपना दबदबा यहां भी बनाए रखा। इस अद्वितीय प्रदर्शन को देखते हुये अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली के उच्चाधिकारियों ने वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए ऋषी राय का चयन भारतीय दल में कर लिया है।

इस अवसर पर ऋषी राय को उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) प्रशांत कुमार ने पुलिस मुख्यालय लखनऊ में संम्मानित किया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूतपूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने ऋषी राय को प्रतीक चिन्ह प्रदान किया और विश्व दौरे के लिए शुभकामनाएं दीं। इधर विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में ऋषी के चयन की खबर पाते ही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी गैबिपुर में साथी खिलाड़ियों व अकादमी के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर बधाइयाँ दीं।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को बर्खास्त किया: रिपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

'द डेली टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के मुताबिक, ' इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी।' रिपोर्ट के मुताबिक, 'लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

फोटोः हि.स.

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रुक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे।' मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है। मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाये रखने में मददगार होती है।

मेघालय में अंतर-जिला स्थानांतरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 24 मई तक

शिलांग। मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन ने राज्य में फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अंतर-जिला स्थानांतरण 2025 की समय सीमा 24 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। एक बयान में, मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के अध्यक्ष हैमिल्टनसन डोहलिंग और महासचिव सुनेश सीएम ने कहा कि एमएफए ने खिलाड़ियों के स्थानांतरण को पूरा करने के लिए पूर्ण स्थानांतरण फॉर्म जमा करने और रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने की अंतिम तिथि 17 मई तय की थी। लेकिन, एमएफए अधिकारियों ने खिलाड़ियों और क्लबों की सुविधा के लिए समय सीमा को एक सप्ताह बढ़ाने का निर्णय लिया है। बयान में कहा गया है कि गुलाबी रंग के फॉर्म संबंधित खिलाड़ी की तस्वीर के साथ एमएफए कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, सफेद फॉर्म जिला संघ द्वारा रखे जाएंगे और पीले फॉर्म क्लब द्वारा रखे जाएंगे। बयान में कहा गया है कि संबंधित खिलाड़ी की फोटो के बिना कोई भी फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रिकेटर खुद के बारे में जान कर अपनी क्षमता का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं: द्रविड़

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पेशेवर तौर पर क्रिकेट से जुड़ने की चाह रखने वाले लोगों को सफलता के लिए खुद को परख कर अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने की सलाह दी। कोच के तौर पर भारत को टी-20 विश्व चैंपियन बनाने के बाद मौजूदा सत्र में आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर रहे द्रविड़ ने ' जियो हॉटस्टार' के 'हल्ला बोल' के एपिसोड में कहा, ' क्रिकेट में अच्छा होना और सिर्फ क्रिकेट का अभ्यास करना निश्चित रूप से आपको कुछ सफलता दिलायेगा। मैंने हालांकि जिन अच्छे और महान खिलाड़ियों के साथ काम किया है या ड्रेसिंग रूम साझा किया है उनमें एक चीज सामान्य देखी है, वह यह है कि वे वास्तव में अपनी क्षमता के बारे में जानते थे।'

टेस्ट क्रिकेट में द्रविड़ भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर

फोटोः हि.स.

आप एक व्यक्ति के तौर पर खुद को पहचानते हैं और लगातार विकसित होते रहते हैं, तो आपके पास अपनी क्षमता को अधिकतम करने का सबसे अच्छा मौका होता है।' द्रविड़ ने स्पष्ट किया कि वह तुलना में विश्वास नहीं करते। द्रविड़ ने कहा, 'यह व्यक्तिगत मामला है, आप खुद को दूसरे लोगों के साथ आंक नहीं सकते, खुद की तुलना दूसरे लोगों से नहीं कर सकते। आपका काम खुद से और आपको जो कौशल मिले हैं, उनसे सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करना है। यह तभी संभव है जब आप मैदान पर एक क्रिकेटर के रूप में और मैदान के बाहर एक व्यक्ति के रूप में भी विकसित होंगे।'

दीक्षा संयुक्त नौवें पायदान पर, डच लेडीज ओपन में तीन भारतीयों ने कट में बनायी जगह

हिल्वरसम (नीदरलैंड्स)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के दूसरे दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से नौवें पायदान पर है। दीक्षा ने आखिरी छह होल में तीन बर्डी और एक बोगी लगाई जिससे उनका कुल स्कोर तीन अंडर का है। अन्य भारतीयों में हीरो महिला प्रो गोल्फ दूर की नंबर एक खिलाड़ी हिताक्षी बक्शी ने 73 का कार्ड खेला। उन्होंने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला था। वह संयुक्त रूप से 26वें पायदान पर है। कट में प्रवेश करने वाली तीसरी खिलाड़ी अवनी प्रशांत रहीं। पहले दौर में 77 का कार्ड खेलने वाली इस खिलाड़ी ने दूसरे दौर में सात शॉट का सुधार किया और संयुक्त 51वें स्थान पर है। त्वेसा मलिक (74-75) कट में जगह बनाने से चूक गयी जबकि प्राणवी उर्स ने चोट के कारण शुरुआती दौर के बाद नाम वापस ले लिया।

महिला टीम की खिलाड़ियों से मिले पुरुष टीम के कप्तान सुनील छेत्री, किया प्रेरित

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

बेंगलुरु

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के बेंगलुरु स्थित शिविर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अगले महीने होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए तैयारी कर रहीं महिला टीम की खिलाड़ियों से बात की और उन्हें प्रेरित किया। इस दौरान खिलाड़ियों की ओर से सुनील छेत्री को टीम के सभी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक जर्सी भी भेंट की गई।

सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही है। टीम 29 मई और 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच भी खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने रविवार को बताया कि यह पहली बार नहीं था कि छेत्री महिला टीम के खिलाड़ियों से मिलने आए, लेकिन उन्होंने शिविर में कई नए चेहरों को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। छेत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव था। पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना बूढ़ा हो गया हूं। बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं और मुझे उनके बारे में मुख्य कोच से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

मिठाईयों से अलग कुछ खाने का है मन

तो ट्राय करें चोकोनट डोनट

सामग्री-

आटा गूंथने की सामग्री

2.5 कप मैदा, 3/4 कप मिल्क, 1/3 कप बटर, 2.5 टेबलस्पून शुगर, नमक चुटकी भर, 1 टीस्पून यीस्ट, तलने के लिए ऑयल

ग्लेज देने के लिए सामग्री

1/2 कप कैस्टर शुगर, 250 ग्राम डार्क कंपाउड चॉकलेट, 200 ग्राम व्हाइट कंपाउड चॉकलेट, 300 ग्राम कोकोनट बूरा

विधि-

- डोनट का डो बनाने के लिए दूध को हलका गर्म करें और बटर को पिघला कर मैदे में मिलाएं। अब इसमें शुगर, नमक, यीस्ट डालकर लगभग 5-7 मिनट तक गूंधें।
- अब डो को 1/2-3/4 सेंटीमीटर की मोटाई में बेल लें। डोनट का शेप देने के लिए ग्लास से कट करें और बीच में होल करने के लिए बोतल की कैप का इस्तेमाल करें। इस तरह डोनट का शेप दें और ऑयल से ब्रशिंग कर 2 घंटे के लिए अलग रख दें।
- अब सभी डोनट्स को सुनहरा होने तक डीप फ्राई करें। हॉट डोनट पर पाउडर शुगर डालकर डस्ट करें।
- डोनट को ग्लेज देने के लिए मेल्टेड डार्क और व्हाइट चॉकलेट में डिप करें। ऊपर से कोकोनट के बुरादे से कोट कर सर्व करें।

वनीला आइसक्रीम रेसिपी

- सबसे पहले कस्टर्ड को दूध और चीनी में मिक्स करें।
- इसके बाद बाकी बचे दूध में चीनी मिलाकर उबाल लें। फिर इसमें बनाया हुआ कस्टर्ड मिलाएं और दोबारा उबालें।
- ठंडा होने के लिए रख दें। फिर इसमें वनीला एसेंस और क्रीम को डालकर मिक्स करें। कंटेनर में भर कर फ्रिज में रख दें।
- हल्का जम जाने के बाद इसे निकालकर हल्का ब्लैंड करें और दोबारा फ्रिज में रखकर छोड़ दें।
- याद रहे अगर कंटेनर टाइट बंद नहीं होगा तो इसमें गाठे बन जाएंगी। इस क्रिया को दोबारा दोहराएं।
- आखिर में फ्रिज में इसे दो घंटे जमने के लिए रख दें। गार्निशिंग के लिए चैरी और नट्स का इस्तेमाल कर सर्व करें।

स्ट्रीट फूड के शौकीन हैं तो ट्राई करें मुंबई वाली 'टिक्की फ्रैंकी'

सामग्री

- गेहूं का आटा- 1/2 कप
- मैदा- 1/2 कप
- मटर- 1/4 कप
- प्याज- 1/2 कप (कटा हुआ)
- हल्दी और धनिया पाउडर- 1/2, छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- स्वाद अनुसार
- काली मिर्च- 1/2 छोटा चम्मच
- नमक- स्वाद अनुसार
- मक्खन- जरूरत अनुसार
- हरी चटनी/टोमैटो कैचअप- जरूरत अनुसार
- शिमला मिर्च- 1 (कटी हुई)
- चाट मसाला- स्वाद अनुसार
- उबले मैश्ड आलू- 1 कप

बनाने की विधि

- मुंबई स्टाइल टिक्की फ्रैंकी' बनाने के लिए पैन में मक्खन गर्म करके आलू, लहसुन, मटर, आधे प्याज और मसाला डालकर पकाएं मिश्रण को हल्का ठंडा करके इसकी टिक्कियां बना लें। एक बाउल में गेहूं का आटा, मैदा व जरूरत अनुसार पानी डालकर आटा गूंथ लें। आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर बेल लें।
- अब रोटी को तवे पर दोनों ओर से सेंक लें। अब रोटी की एक ओर सॉस लगाकर टिक्की, प्याज और शिमला मिर्च रखें। ऊपर से चाट मसाला छिड़कर फ्रेंकी को लपेटकर प्लेट में रखकर सर्व करें। और मानसून का मजा लें।

कुछ अलग और खास है मेथी और अरबी की कढ़ी

सामग्री

- मेथी का साग 1 बंडल पत्तियां अलग की हुई
- अरबी उबली और छिली 200 ग्राम
- दही 1 कप
- बेसन 2 टेबलस्पून
- अदरक-लहसून पेस्ट 1 टीस्पून
- दो हरी मिर्ची का पेस्ट 1 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर 1/2 टीस्पून
- हल्दी पाउडर 1/4 टीस्पून
- नमक स्वादानुसार
- तेल 2 टेबलस्पून
- लौंग 4-5
- काली मिर्च पाउडर 1 टीस्पून
- मेथी दाना 1/4 टीस्पून
- जीरा 1 टीस्पून

- सूखी लाल मिर्च 3 तोड़ी हुई
- हींग चुटकी भर

विधि

- सबसे पहले बेसन, अदरक-लहसून पेस्ट, हरी मिर्च पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, नमक और 5 कप पानी एक साथ डालकर उसे अच्छे से फेंट कर अलग रख लें।
- एक नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें फिर उसमें लौंग, काली मिर्च, मेथी दाना, जीरा और सूखी लाल मिर्च डालें और भूरा होने तक भूनें।
- अब इसमें हींग डालें और एक मिनट तक सौते करें। अब इसमें अरबी डालें और 2-3 मिनट तक सौते करें।
- अब बेसन के घोल को एक बार और फेंटें फिर अरबी वाले पैन में डालें और तेज आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। यह मिक्सचर तब तक चलाते रहें जब तक ये उबलने न लगे। अब इसे 3-4 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकाएं।

बनाने में आसान और बहुत ही हेल्दी है स्प्राउट मूंग

सामग्री

1/2 कप अंकुरित मूंग, 1 टीस्पून तेल, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/8 चम्मच हींग, 2 हरी मिर्च, 1/4 अदरक, 1 बड़ा टमाटर, 1/4 चम्मच हल्दी, 1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, 1/4 टी स्पून गरम मसाला पाउडर, स्वादानुसार नमक आवश्यकतानुसार निम्बू का रस, पानी 1 कप

विधि

- कुकर में तेल गरम कर उसमें जीरा और हींग डालें। हरी मिर्च और अदरक डालकर भूनेंगे। अब कटे हुए टमाटर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक छिड़कें। टमाटर को नरम होने तक और तेल छोड़ने तक पकाएं। अब स्प्राउट्स मूंग डालें और 1 कप पानी डालें, कुकर का ढक्कन बंद करें और इसे तेज़ आंच पर पकाएं। एक सीटी आने के बाद आंच धीमी कर दें और इसे 8 से 10 मिनट तक पकाएं।कुकर का प्रेशर खुद निकलने दें। गरम मसाला पाउडर छिड़कें, इसे ठीक से मिलाएं। ताजा धनिया पत्ती से गार्निश करते हुए और नींबू का रस निचोड़ें। सर्व करें।

नशा मुक्ति अभियान सभी गांवों और वार्डों के जागरूक होने तक तारी रहेगा: कुलजीत रंधावा

सरसिनी, हसनपुर और चंदियाला गांवों में लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

संवाददाता
लालडू

- पंचायतों, नंबरदारों और नगर निगमों को नशा तस्करों को जमानत न देकर अपनी गंभीर गलती का एहसास होना चाहिएः विधायक

पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में शुरू किए गए नशा मुक्ति दौरे तब तक जारी रहेंगे जब तक 15, 000 गांवों और वार्डों को नशे के खिलाफ कवर नहीं किया जाता।

यह बात डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने रविवार को सरासिनी, हसनपुर और चंदियाला गांवों का दौरा कर लोगों से सीधे बातचीत करते हुए कही। उन्होंने लोगों से सुझाव भी मांगे कि पंजाब में, विशेषकर उनके गांवों में, नशे की समस्या को कैसे खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त यात्राओं का उद्देश्य लोगों को भगवंत सिंह मान सरकार के नशे के खिलाफ अभियान से जोड़ना और पंजाब को नशा मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि इस आउटरीच अभियान के तहत प्रतिदिन लगभग 351 गांवों में ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रत्येक विधानसभा में तीन गांव चयनित किए गए हैं, जहां जनता की भागीदारी से इस आंदोलन को और मजबूत किया जाएगा। विधायक रंधावा ने सरकार की नशे के खिलाफ जंग मुहिम की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि अब तक 86 नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है और 75 तस्करों को मुठभेड़ के जरिए पकड़ा जा चुका है। जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार की नीयत और नीति बिल्कुल स्पष्ट और स्पष्ट है - या तो नशा छोड़ो या पंजाब छोड़ो।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान ऐसे योद्धाओं को भी सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने स्वयं नशे के अंधकार से लड़ाई लड़ी और उस चक्रव्यूह से बाहर निकले। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग प्रेरणा के वास्तविक स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों का साथ देना चाहिए, उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए, तभी हम इस लड़ाई को जीत सकते हैं। विधायक रंधावा ने स्पष्ट किया कि यह नशा मुक्ति यात्रा कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है, यह एक सामाजिक संकल्पना है, जिसके लिए समाज के हर वर्ग, हर पंचायत, हर युवा, हर माता-पिता को इस आंदोलन से जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि। पंजाब को नशा मुक्त बनाने की यह लड़ाई हम सबकी साझा लड़ाई है।

उन्होंने इस अवसर पर सभी को नशा मुक्ति शपथ भी दिलाई, जिसमें पंजाब को नशा मुक्त बनाने, प्रत्येक नागरिक को अपने गांव का संरक्षक बनाने तथा गांव में नशे को प्रवेश न करने देने, नशे के आदी लोगों को घृणा की दृष्टि से न देखने, उन्हें उपचार के माध्यम से सही रास्ता दिखाने, उनके पुनर्वास में सहायता करने, नशा तस्करों को किसी भी प्रकार का संरक्षण न देने, उन्हें जमानत न देने आदि की शपथ शामिल थी।

इन नशा मुक्ति यात्राओं में विधायक रंधावा के साथ डेराबस्सी के एसडीएम अमित गुप्ता, डेराबस्सी और लालडू पुलिस थानों के एसएचओ, गांव के पंच सरपंच और मोहतबर भी मौजूद थे।

हंडेसरा पुलिस ने अवैध शराब की 550 पेटियों से भरे एक ट्रक को किया काबू

संवाददाता
लालडू

पंजाब सरकार द्वारा सूबे के अंदर नशों खिलाफ चलाए अभियान युद्ध नशे विरूद्ध रविवार को आपरेशन सील के तहत हंडेसरा पुलिस ने नाकाबंदी दौरान अवैध शराब की पेटियों से भरे एक ट्रक को काबू किया, जिसको चलाने वाले चालक और सह-चालक को शराब की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान देदा राम और भूपा राम निवासी बाड़मेर, राजस्थान के रूप में हुई है, जिनके खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट तहत केस दर्ज करके आगामीं जांच शुरू कर दी है।

जानकारी मुताबिक, अमृतसर में जहरीली शराब से हुई लोगों की मौत के बाद पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में रविवार पुलिस ने जिल मोहाली की डेराबस्सी सब-डिवीजन के पास गांव हंडेसरा में एक विशेष नाका लगाया। वहीं, जैसे ही वहां पर निकल रहे ट्रक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया गया तो चालक ने रूकने की बजाय ट्रक भगाना शुरू कर दिया। दूसरी ओर हालांकि पुलिस ने उसे पकड़ लिया और ट्रक की जांच की, जिसमें से चंडीगढ़ की अंग्रेजी शराब की 550 पेटियां बरामद हुई। इसको लेकर पुलिस ने दोनों लोगों से पूछताछ की तो कोई जवाब नहीं दे पाए, जिसके पुलिस ने आपरेशन सील तहत कार्रवाई को अंजाम देकर दोनों खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार, यह शराब चंडीगढ़ में बनी है और इसकी तस्करी इस रास्ते से की जा रही थी। अब पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि इस पूरे गिरोह के पीछे कौन लोग शामिल हैं।

पहले 600 लीटर मेथनॉल जब्त की थी बता दें कि, पांच दिन पहले पटियाला पुलिस ने करीब 600 लीटर मेथनॉल जब्त की थी, जो कि अवैध तरीके से ट्रक में दिल्ली से पंजाब लाई जा रही थी, इसे नकली शराब बनाने में प्रयोग किया जाना था। यह दावा पंजाब पुलिस की तरफ से किया जा रहा है। पुलिस की तरफ से मामले की जांच की जा रही है।

इसके बाद पंजाब के फाइनेंस मिनिस्टर हरपाल सिंह चीमा की तरफ से केंद्र सरकार को पत्र लिखा गया था। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की थी मेथनॉल की बिक्री को लेकर गाइड लाइन बनाई जाए। ताकि इसका गलत प्रयोग न हो सके। केंद्र को लिखे पत्र में उन्होंने इंडस्ट्री एक्ट 1951 के तहत मेथनॉल के लिए कड़े नियमों की मांग की है। इससे सबसे ज्यादा खतरा जहरीली शराब बनने का है। उन्होंने केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

'आप' चंडीगढ़ की महिला विंग ने फ्री मेडिकल कैंप में जांचे 160 मरीज

संवाददाता
चंडीगढ़

रविवार को आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ की महिला विंग और वॉलंटियर्स के सहयोग से एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में रायपुर खुर्द गांव के बुजुर्गों और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। कैंप में जनरल चेकअप, मैमोग्राफी टेस्ट, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। कुल 160 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से 60 लोगों के मैमोग्राफी टेस्ट किए गए।

इस अवसर पर पार्टी की ओर से पार्षद प्रेमलता, हरदीप सिंह, दमनप्रीत बादल (महासचिव), सनी औलख, सुखराज संधू (कार्यकारी अध्यक्ष) एवं ललित मोहन विशेष रूप से उपस्थित रहे। गांववासियों ने इस जनसेवा अभियान की सराहना की और आम आदमी पार्टी के सामाजिक योगदान की खुले दिल से प्रशंसा की। पार्टी प्रेजिडेंट विजयपाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने भविष्य में भी इस तरह के लोकहितकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया।

दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क अंग और कैलिपर्स फिटमेंट शिविर का आयोजन

- शिविर में 302 दिव्यांगों को अपर-लोवर व मल्टीपल कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाए

संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था नारायण सेवा संस्थान द्वारा रविवार को सेक्टर 49 के सामुदायिक केंद्र में दिव्यांगजनों को निःशुल्क अंग और कैलिपर्स फिटमेंट शिविर का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश के प्रभारी संजय टंडन और विशिष्ट अतिथि चंडीगढ़ बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष शिप्रा बंसल, संरक्षक महेश अग्रवाल, अर्जुन कंबोज, स्थानीय पार्षद राजिंदर शर्मा, समाज सेवी पिंकी मेहता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि मंत्री बेदी ने कहा कि दिव्यांगों की सेवा करना न केवल एक पुण्य कार्य है, बल्कि यह समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने संस्थान को हर तरह से मदद का भरोसा दिया। साथ ही संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की सेवा साधना की प्रशंसा की। शिविर का उद्देश्य शारीरिक रूप से असमर्थ लोगों को न केवल चलने-फिरने में सक्षम बनाना था, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना भी जाग्रत करना था। शिविर में चंडीगढ़ सहित पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के दूरस्थ क्षेत्रों के 302 दिव्यांगों को अपर-लोवर व मल्टीपल कृत्रिम अंग और केलिपर्स लगाए गए।

इस अवसर पर मुख्यातिथि संजय टंडन ने नारायण सेवा संस्थान द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को अपने पैरों पर खड़ा करने और उनको आत्मनिर्भर बनाने हेतु ये एक नेक कार्य है ताकि वो लोग भविष्य में स्वावलम्बी बन कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सके और आम जन के साथ कंधे से कन्धा मिला कर देश के विकास में भागीदारी कर सके। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से संस्था ऐसे लोगों की सहायता करने के लिए अपने हाथ आगे बढ़ा रही हैं ये वाकई एक नेक काम है और उसके लिए इसके संस्थापकों और सभी कर्मियों को साधुवाद जो दिन रात सेवा में लगे हुए हैं। यही वास्तविक रूप में मानव की सच्ची सेवा है और हम सभी को भी आगे बढ़ कर ऐसे अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर दिव्यांगजनों के उज्ज्वल भविष्य हेतु अपने हाथ भी आगे बढ़ाने चाहिए। इनके भीतर प्रतिभा की कोई कमी नहीं है बस थोड़ा सा साथ देने भर से ये लोग पंख लगा कर अपना जीवन उच्च आदर्श का बनाने में कामयाब होंगे।

संक्षिप्त-समाचार

न्यायमूर्ति रणजीत सिंह के नेतृत्व में पंजाब मानवाधिकार संगठन का पुनर्गठन

चंडीगढ़। पंजाब भर से दो दर्जन से अधिक मानवाधिकार कार्यकताओं का एक समूह चंडीगढ़ स्थित श्री गुरु ग्रंथ साहिब भवन परिसर में एकत्र हुआ और जस्टिस अजीत सिंह बैंस द्वारा गठित पंजाब मानवाधिकार संगठन को जस्टिस रणजीत सिंह के नेतृत्व में पुनर्गठित करने का निर्णय लिया। बैठक में पंजाब व देश में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों पर चिंता व्यक्त करते हुए संगठन के घोषणापत्र व संगठनात्मक ढांचे के संबंध में प्रस्तुत मसौदे को गंभीर विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारियों के चुनाव के साथ ही जिला कमेटियों के गठन का निर्णय लिया गया। यूनिटी ने जस्टिस रणजीत सिंह को चेयरमैन, डॉ. प्यारा लाल गर्ग को वाइस चेयरमैन, मालविंदर सिंह माली को महासचिव, राजविंदर सिंह बैंस को लीगल विंग का प्रधान, सरबजीत सिंह वेरका को रिसर्च विंग का प्रधान, हमीर सिंह को आगेर्नाइजिंग सचिव, डॉ. खुशहाल सिंह को ऑफिस सचिव चुना है। इनके अलावा न्यायमूर्ति रणजीत सिंह को अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति और जिम्मेदारियां सौंपने का अधिकार दिया गया। संगठन का मुख्यालय श्री गुरु ग्रंथ साहिब भवन में होगा। बैठक और संगठन में शामिल होने वालों में ज्ञानी केवल सिंह, एडवोकेट गुरजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह (ग्लोबल सिख काउंसिल), सुखविंदर सिंह सिद्धू, एडवोकेट गुरदीप सिंह चंडीगढ़, एडवोकेट नवजोत कौर चब्बा, परमसुनील कौर, अरमानजोत कौर, अमनप्रीत कौर राय, गुरशमशीर सिंह पत्रकार, एडवोकेट दलजीत सिंह बाठ, तेजिंदर सिंह मोहाली, इंद्रप्रीत सिंह गोगा संधू, एडवोकेट परमिंदर सिंह गिल, एडवोकेट नवजोत सिंह, प्रोफेसर शाम सिंह, केपी सिंह शामिल थे। सतनाम सिंह व एडवोकेट परमिंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका एट बिटना में खाद्य सुरक्षा व मिलावट पर किया जागरूक

कालका। युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निदेर्शानुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण कालका एट बिटना के प्रांगण में सेमिनार का आयोजन किया गया। उप प्रधानाचार्य श्री शिवचरण गौतम के निर्देशन में फूड सेफ्टी एवं एडल्टरेशन विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। सेमिनार में डॉ सोनाली गुप्ता, एक्सटेंशन लेक्चरर (न्यूट्रिशन) को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 350 छात्र व छात्राओं ने सेमिनार में भाग लिया। डॉक्टर गुप्ता ने खाद्य सुरक्षा पर संक्षिप्त वार्ता करते हुए सभी उपस्थित लोगों को खाद्य व्यर्थ न करने व भविष्य में खाद्य की बढ़ती मांग को देखते हुए खाद्य संरक्षण की जानकारी दी। सेमिनार के मुख्य वक्ता ने बताया कि एडल्टरेशन अर्थात मिलावट न केवल खाद्य में कुछ अन्य पदार्थ का मिलना है बल्कि इसमें खाद्य के गुणवत्ता का घटना इत्यादि शामिल है। खाद्य मिलावट से न केवल लोगों के स्वास्थ्य पर तुरंत बुरा असर पड़ता है बल्कि लोगों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर देखने को मिलता है। डॉ सोनाली गुप्ता ने कहा खाद्य पदार्थों में जो मिलावट करते हैं उनके लिए सख्त कानून बनना चाहिए और उनका पालन सुनिश्चित करना चाहिए। संस्थान के प्रधानाचार्य शिव चरण गौतम ने कहा- मिलावट एक गंभीर समस्या है और इसे रोकने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। हम सभी को मिलावटी भोजन से बचने के लिए सावधान रहने की आवश्यकता है और हमें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। इस अवसर पर वर्गोंनिदेशक राधेश्याम, सुरजीत कौर, वर्ग अनुदेशिका, अजय कुमार, मुकेश कुमार, सोमदत्त, अनुदेशक गण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के 122 छात्रों को दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्रियां दी गई

- शिक्षा केवल डिग्री नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है : डॉक्टर

संवाददाता
चंडीगढ़

गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति नई दिल्ली, नेचुरोपैथी योग आयुर्वेद साइंसेज समिति मोहाली तथा वरदान नेचुरोपैथी एवं योग इंस्टिट्यूट चंडीगढ़ के तत्वाधान में श्री माता मनसा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट पंचकूला के ऑडिटोरियम में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर जोरा सिंह, कुलअधिपति, देश भगत यूनिवर्सिटी के कर कमरों द्वारा 122 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर कुलअधिपति डॉक्टर जोरा सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा की शिक्षा केवल डिग्री नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा स्वस्थ जीवन बिताने की एक कला एवं विज्ञान है। यह ठोस सिद्धांतों पर आधारित एक औषधि रहित रोग निवारण पद्धति है। इस पद्धति को हम सब लोगों को सीखना चाहिए ताकि हम स्वस्थ रह सके। प्राकृतिक चिकित्सा समिति एक बहुत अच्छा काम कर रही है मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं और इस कोर्स के लिए हम अपने विश्वविद्यालय से भी इस संस्था को जोड़ेंगे ताकि छात्राओं को और अधिक लाभ मिल सके। ताकि उनको एक प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग में विश्वविद्यालय की डिग्री मिल सके। समिति से उत्तीर्ण 122 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। समिति की ओर से प्रथम आने पर एक छात्रा डॉ रचना सिंह को स्वर्ण पदक एवं विशेष सम्मान तथा द्वितीय आने पर एक छात्र दीपक क्षेत्रपाल को रजत पदक एवं सम्मान से नवाजा गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर पुनीत मलिक ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में युवाओं को देश के स्वास्थ्य निर्माण में भागीदारी निभाने की अपील की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्य वक्ता डॉ हरीश यादव संचालक आरोग्य अमृत नेचुरोपैथी योग अस्पताल एवं ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट हिसार ने 'स्वास्थ्य जीवन शैली' पर अपने विचार रखते हुए कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा व्यक्ति को उसके शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक स्थलों पर प्रकृति के रचनात्मक सिद्धांतों के अनुकूल निर्मित करने की एक पद्धति है इसमें स्वास्थ्य संवर्धन, रोगों से बचाव, रोग निवारण और पुनर्निर्माण करने की अपूर्व क्षमता है। सभी रोग, उनके कारण एवं उनकी चिकित्सा एक है। यह प्राकृतिक चिकित्सा का मूल सिद्धांत है। प्राकृतिक चिकित्सा में रोग निदान सरलता से संभव है। जीर्ण रोगों से ग्रस्त रोगियों का भी प्राकृतिक चिकित्सा में सफलतापूर्वक इलाज होता है। प्राकृतिक चिकित्सा में औषधी का प्रयोग नहीं होता।

चंडीगढ़ खादी सेवा संघ न्यू चंडीगढ़ में खादी उत्पादों का बड़ा शोरूम खोलेगा

संवाददाता
चंडीगढ़

खादी सेवा संघ, चंडीगढ़ की गवर्निंग एवं जनरल बॉडी की एक संयुक्त बैठक आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में संघ के चेयरमैन केके शारदा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान खादी सेवा संघ की गतिविधियों को और तेज करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वप्रथम पिछले दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष भारतीय नागरिकों और इसके बाद पाकिस्तान से छिड़े संघर्ष में शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके अलावा भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों व उनके ट्रेनिंग कैंपों को तबाह करके दिखाए गए युद्ध कौशल की प्रशंसा करते हुए भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सेल्यूट किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खादी सेवा संघ, चंडीगढ़ जल्द ही न्यू चंडीगढ़ में खादी उत्पादों का बड़ा स्टोर खोलेगा, ताकि चंडीगढ़ ट्राइसिटी में खादी उत्पादों की लोकप्रियता को और ज्यादा बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही बैठक में संघ की गवर्निंग बॉडी का पुनर्गठन करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में खादी सेवा संघ के उपाध्यक्ष रमन गुप्ता, कानूनी सलाहकार रमन कुमार शर्मा, सह सचिव ओंकार चंद, प्रेम विज, नीरज अधिकारी, तेजिंदर ठाकुर, विक्रम अरोड़ा, नरेंद्र कुमार, विनोद कुमार, अनुपम कुमार समेत तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे।

किलकारी में मानव मंगल के स्टूडेंट्स ने आकर्षक प्रस्तुति में दहेज न लेने का दिया संदेश

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल जूनियर.के वार्षिक स्टेज शो में यूकेजी और पहली व दूसरी क्लास के छात्रों ने मंच पर बिखेरी प्रतिभा

संवाददाता
चंडीगढ़

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल जूनियर, सेक्टर-91 के यूकेजी और पहली व दूसरी क्लास के स्टूडेंट्स ने शनिवार को वार्षिक स्टेज शो 'किलकारी' में मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेरने में किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ी। सेक्टर-88 स्थित मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के सभागार में हुए समारोह में स्टूडेंट्स की हर सांस्कृतिक प्रस्तुति पसंद की गई तथा दर्शकों ने तालियां बजाकर उनकी खूब सराहना भी की। यह कार्यक्रम परंपरा, जागरूकता और मनोरंजन का एक सुंदर मिश्रण था, जो समग्र शिक्षा के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता को उजागर करता था। कार्यक्रम की शुरूआत सत्र 2024-25 की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक डिजिटल प्रस्तुति के साथ हुई।

सांस्कृतिक समारोह की शुरूआत सेकेंड बी क्लास के छात्रों की ओर से प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई जिसमें उन्होंने भगवान गणेश से उन्हें बुद्धि, सफलता और शक्ति का आशीर्वाद देने की प्रार्थना की। पारंपरिक परिधान पहने और सुंदर लय के साथ नृत्य करते हुए विद्यार्थियों ने आध्यात्मिकता और श्रद्धा का माहौल बनाया इसके बाद फर्स्ट बी क्लास के बच्चों ने 'माय ग्रैंड पेरेंट्स माय ट्रेजर' प्रस्तुति में दिखाया कि उनके ग्रैंड पेरेंट्स किस तरह से उन्हें अंतहीन प्यार करते हैं और वे वे सिर्फ परिवार नहीं हैं बल्कि उनके सबसे अच्छे दोस्त हैं। इस कार्यक्रम ने पीढ़ियों के बीच के शाश्वत बंधन को उजागर किया।

आंखों को नम कर देने वाली इस प्रस्तुति दे बाद यूकेजी बी क्लास के नन्हें मुन्ने स्टूडेंट्स ने फैशन शो 'गुडनैस अंबैसडर्स' पेश कर खूब तालियां बटोरीं। छात्रों का आत्मविश्वास और मंच पर उपस्थिति सराहनीय थी, जिससे संदेश जीवंत हो गया। इसके बाद फर्स्ट ए के छात्रों की ओर से पेश 'फूड इस लाइफ' में भोजन की बबार्दी को कम करने और हर अनाज का मूल्य समझने के महत्व पर बल दिया गया। इस प्रस्तुति में छात्र-छात्राओं ने बताया कि हर दाने में कड़ी मेहनत, धूप और देखभाल की कहानी जुड़ी है। एक दाने का बर्बाद करना किसी के प्रयास को बर्बाद करने जैसा है। इसके अलावा समारोह में यूकेजी ए क्लास के स्टूडेंट्स ने एक आकर्षक प्रस्तुति में दहेज जैसी सामाजिक बुराई पर बात की तथा पुरानी प्रथाओं को समाप्त करने का आह्वान किया। इस प्रस्तुति में बताया गया कि शादी प्रेम और एकजुटता का उत्सव है। लेकिन जब उपहार मांग में बदल जाते हैं, तो खुशी बोझ में बदल जाती है। छात्रों ने अंत में कहा, आइये हाथ मिलायें और कहें - दहेज नहीं।

स्कूल के नन्हें गबरूओं और मुटियारों ने 'ताल एंड टशन' में अपने जोरदार भांगड़ा मूव्स और जीवंत पंजाबी वेशभूषा, ऊर्जा और शान से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने इस प्रस्तुति में बताया कि भांगड़ा सिर्फ एक डांस नहीं है - यह पंजाब की धड़कन है, जो खुशी, रंग और उत्सव से भरपूर है।

ब्रहमज्ञान प्राप्त करने के बाद ही व्यवहार में आता बदलाव

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ जोन में महिला समागमों की लड़ी को शुरू करने के पीछे यही उद्देश्य है कि महिलायें जहाँ समाज में एक महत्वपूर्ण योगदान देती हैं वहाँ प्रभु भक्ति में भी इनका विशेष योगदान है । निरंकारी मिशन में महिलाओं का योगदान किसी से छिपा नहीं है। यह उद्गार बहन मोनिका राजा जी ने सन्त निरंकारी सत्संग भवन सैक्टर-15 डी चंडीगढ़ में आयोजित महिला समागम में प्रकट किए। उन्होंने जगत माता बुदवंती जी, राजमाता कुलवंत कौर जी, माता सविन्द्र जी का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने अपने गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियाँ निभाते हुए भक्ति लहर में भी अपना विशेष योगदान दिया । इसी प्रकार वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी भी गृहस्थ जीवन के साथ साथ मानव मात्र का कल्याण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम समाज में सेवाएं दे रहे है, वैसे ही सत्य का प्रचार भी करना है । इसके साथ साथ हमने अपने घरों को कैसे संवारना है, इस पर विशेष ध्यान देना है। क्योंकि हम दुनिया को, समाज को व आसपास को तभी संवार सकेंगे जब हमारा घर परिवार संवरा होगा।

हरदेव वाणी के शब्द 'तू पूरन है तेरा सारा इन्तजाम भी पूरन है' का हवाला देते हुए कहा कि इस निरंकार प्रभु की सभी वयवस्थाएँ सम्पूर्ण हैं। बाबा हरदेव सिंह जी ने भी हमें निरंतर समझाया कि अगर रिश्तों में मजबूती होगी तो घर स्वर्ग बनेंगा। घर तभी स्वर्ग का स्वरूप बनता है जब समय के सत्गुरू से ब्रहमज्ञान प्राप्त होने के बाद हमारे स्वभाव व व्यवहार में तबदीली आ जाती है। जैसे जैसे जीवन में सत्संग, सेवा व सिमरन आता जाता है वैसे वैसे ही व्यवहार में भी परिवर्तन आने लग जाता है जिससे घर स्वर्ग का नक्शा बन जाता है।

चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज ओ.पी. निरंकारी व एरिया 15 के मुखी महात्मा ने बहन मोनिका राजा का एवं सरबत साध संगत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि घर व संगत में महिलाओं की अहम भूमिका है। महिलाओं के योगदान के कारण ही परिवार में भक्ति प्रवाह निर्विघ्न चलता है।